डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

ख़बरों में विश्वविद्यालय
सितम्बर 2022

हॉलीवुड फिल्म स्टार विनोद जयंत और उनकी टीम

उपलब्धि विवि के 4 प्रोफेसर एक साथ राष्ट्रीय मंच पर सम्मानित

विवि के फार्मेसी विभाग ने रचा इतिहास

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय से डिपार्टमेंट ऑफ़ फार्मास्यूटिकल साइंसेस से सेवा मुक्त डॉक्टर एनके जैन, कार्यरत प्रो डॉक्टर संजय जैन, डॉक्टर वंदना सोनी एवं फार्मेसी विभाग से उच्च शिक्षा प्राप्त कर डॉक्टर जी डी गुप्ता ने राष्ट्रीय स्तर की 25 वी APTICON 2021 में हिस्सा लिया यह एसोसिएशन ऑफ फार्मास्यूटिकल फीचर्स ऑफ इंडिया जेएसएस विश्वविद्यालय मैसूर में गोल्डन जुबली के दौरान आयोजित की गई है। यह पहला मौका है जब डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के चार प्रोफेसर को एक साथ राष्ट्रीय मंच पर उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। प्रोफ़ेसर डॉक्टर एनके जैन को एपीटीआई भोजराज पंजा मूल लाईफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड 2021 से सम्मानित किया गया है। डॉक्टर एनके जैन ने सागर विश्वविद्यालय के विभिन्न पदों पर रहते हुए डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस को ऊंचाइयों पर पहुंचाने में अहम योगदान दिया है डॉक्टर संजय कुमार जैन जो फार्मेसी विभाग में बतौर प्रोफेसर हेड ऑफ डिपार्टमेंट, Dean, एवं कई भूमिकाओं में कार्य कर रहे हैं को ए पीटीआई डॉक्टर मंजूश्री मेमोरियल अवॉर्ड फॉर द बेस्ट फार्मा सेट कर साईंटिस्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया है. डॉ संजय कुमार जैन को को शिक्षा एवं रिसर्च में अहम योगदान के लिए राष्ट्रपति से सम्मान प्राप्त कर चुके हैं।

डॉ वंदना सोनी जो हेड ऑफ़ डिपार्टमेंट के पद पर कार्य कर रही हैं को ए पीटीआई फार्मेसी वुम ऑफ द ईयर के से सम्मानित किया गया है।

वही डॉक्टर जी डी गुप्ता ,जो कि बतौर डायरेक्टर ISF कॉलेज ऑफ फार्मेसी मोगा में कार्यरत हैं डॉ गुप्ता ने सागर विश्वविद्यालय से बी फार्म एवं एमफार्म फार्मास्यूटिक्स में किया है विगत 25 सालों से कई संस्थानों में सेवाएं दे रहे हां आईपीआर प्रिंसिपल ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया है. यह अवार्ड पाने वाले नॉर्थ इंडिया के प्रथम प्रोफेसर हैं।

सागर विश्वविद्यालय का डिपार्टमेंट ऑफ़ फार्मास्यूटिकल साइंसेस लगातार देश में फार्मेसी के लिए सर्वश्रेष्ठ शिक्षा एवं रिसर्च के लिए जाना जाता है. यहां से पढ़े हुए छात्र फार्मासिस्ट, Hospital, Research Centre, Scientist, शिक्षा जगत रिसर्च के साथ-साथ कई बड़ी-बड़ी कंपनियों को संचालित कर रहे हैं एवं उच्च पद पर आसीन होकर विश्वविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ़ फार्मास्यूटिकल साइंसेस को गौरवान्वित कर रहे हैं. राष्ट्रीय स्तर के मंच पर एक साथ चारों को यह सम्मान महाविद्यालय. एवं डिपार्टमेंट ऑफ़ फार्मास्यूटिकल साइंसेस के लिए बहुत ही गौरव की बात है।

यह सभी अवार्ड सुदर्शन जैन सेक्रेटरी जनरल इंडियन फार्मास्यूटिकल एलाइंस, डॉक्टर मोंटू एम पटेल प्रेसिडेंट फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया, एसपी मंजूनाथ सेक्रेटरी जेएसएस मैसूर, एग्जीक्यूटिव सेक्रेट्री जेएसएस, डॉ सुरेश प्रो चांसलर जेएसएस, डॉ मिलिंद उमेकर प्रेसिडेंट ए पीटीआई, डॉ रमन सिंह सचिव पीटीआई के अलावा कई मुख्य अतिथियों की उपस्थिति में प्रदान किये गए हैं। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सभी शिक्षकों को बधाई दी है।

डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में तैनात शिक्षकों व रिसर्च स्कॉलर्स के छोटे बच्चों के लिए बनाए जाने वाले सेंटर के लिए कमेटी हुई गठित

बच्चों की देखरेख करने विश्वविद्यालय में बनेगा डे केयर सेंटर

आकाश तिवारी

patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्टाफ के छोटे बच्चों की देखभाल के लिए एक डे केयर सेंटर बनाया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय ने एक कमेटी भी बना दी है। जल्द ही स्थान का चयन किया जाएगा। साथ ही स्टाफ की तैनाती के लिए विज्ञापन भी जारी होंगे।

तमाम सुविधाएं रहेंगी सेंटर में

ऐसे बच्चों को शिक्षक, स्कॉलर्स और स्टाफ अपने साथ लेकर आएंगे और उन्हें डे केयर में सेंटर में कार्यालयीन समय तक रखा जाएगा और उस दौरान उन्हें अच्छा माहौल और खेलकूद की सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा एक आया की तैनाती होगी, जो उनकी देखभाल करेगी।

विश्वविद्यालय में ऐसे कई शिक्षक हैं, जो बाहर से आए हैं। परिवार में छोटे बच्चों को संभालने के लिए अन्य सदस्य नहीं हैं। ऐसे में उन्हें बच्चे की चिंता रहती है। इसमें रिसर्च स्कॉलर्स व स्टाफ भी शामिल हैं।

यह कमेटी में शामिल

जूलॉली विभाग की प्री. वर्षा शर्मा को कमेटी का चेयर पर्सन और नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसके अलावा सदस्यों में बॉटनी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. पूनम देहारिया, कॉमर्स विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. सुषमा यादव, इंजीनियरिंग विभाग के राहुल गिरी गोस्वामी और इंग्लिश विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. रश्मि सिंह शामिल हैं।

जल्द पूरी होगी प्रक्रिया

विश्वविद्यालय में डे केयर सेंटर बनाया जा रहा है। इसके लिए कमेटी बना दी गई है। जल्द ही आगे की प्रक्रिया पूरी होगी।

डॉ. विवेक जयसवाल, मीडिया प्रभारी विश्वविद्यालय

विवि में नई शिक्षा नीति पर चर्चा और लघु फिल्मों का प्रदर्शन होगा

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में चार दिवसीय शिक्षक पर्व-2022 का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत 5 से 8 सितंबर तक विभिन्न कार्यक्रम होंगे। कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक प्रो. पीके कठल ने बताया स्वर्ण जयंती सभागार में सोमवार को दोपहर 2 बजे राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में शिक्षकों की भूमिका विषय पर विद्वानों के व्याख्यान होंगे। मुख्य अतिथि इग्नू की वाइस चांसलर प्रो. सुमित्रा कुकरेती होंगी। सेवानिवृत्त शिक्षक प्रो. डीपी गुप्ता विशिष्ट अतिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगी। इसी कार्यक्रम में विवि के शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। 5 एवं 6 सितंबर को दोपहर 2 से 4 बजे तक स्वर्ण जयंती सभागार में ही भारतीय ज्ञान परंपरा में शिक्षकों के योगदान पर आधारित प्रदर्शनी लगेगी। 6 सितंबर को फार्मेसी विभाग के सभागार में राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला में संघ लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डीपी अग्रवाल राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की पाठ्यचर्या के विभिन्न पहलू पर व्याख्यान देंगे। हैदराबाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीजे राव बदलती दुनिया में शिक्षा का अर्थ और उद्देश्य एवं पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा के कुलपति प्रो. आरपी तिवारी री-इमेजिंग हायर एजुकेशन थ्रू एनईपी-2020 विषय पर व्याख्यान देंगे। इसी कार्यक्रम क्रम में पैनल परिचर्चा भी होगी। जिसमें प्रो. आरपी तिवारी, प्रो. एडी शर्मा, प्रो. नवीन कांगो और डॉ. संजय शर्मा शामिल होंगे। 7 सितंबर को दोपहर 3 बजे से भूगर्भशास्त्र विभाग के वाडिया हॉल में शैक्षणिक वृत्तचित्र का प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, डॉ. हरीसिंह गौर और डॉ. डब्ल्यू डी वेस्ट पर आधारित वृत्तचित्रों एवं लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा।

विवि में पांच से आठ तक मनाया जाएगा शिक्षक पर्व

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में शिक्षक पर्व 2022 का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत दिनांक 5 से 8 सितंबर तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। शिक्षक पर्व 2022 कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक प्रो. पीके कठल ने बताया कि विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में पांच सितंबर, अपरा- दो बजे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षकों की भूमिका विषय पर विद्वानों के व्याख्यान होंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इग्नू की उपकुलपति प्रो. सुमित्रा कुकरेती होंगी।

विवि के सेवानिवृत्त शिक्षक प्रो. डीपी गुप्ता विशिष्ट अतिथि होंगे। अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगी। इसी कार्यक्रम विश्वविद्यालय के शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। पांच एवं छह सितंबर को अपरा- 2 से 4 बजे तक स्वर्ण जयंती सभागार में भारतीय ज्ञान परम्परा में शिक्षकों के योगदान पर आधारित प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। 6 सितंबर को फार्मेसी विभाग के सभागार में राष्ट्रीय आनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इसमें संघ लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डीपी अग्रवाल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की पाठ्यचर्या के विभिन्न पहलू विषय पर व्याख्यान देंगे। हैदराबाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीजे राव, बदलती दुनिया में शिक्षा का अर्थ और उद्देश्य एवं पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा के कुलपति, प्रो. आरपी तिवारी त्री-इमेजिंग हायर एजुकेशन थ्रू एनईपी-2020 विषय पर व्याख्यान देंगे। इसी कार्यक्रम क्रम में पैनल परिचर्चा भी आयोजित की जाएगी। परिचर्चा में प्रो आरपी तिवारी एवं विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रो. एडी शर्मा, प्रो नवीन कानगोऔर डॉ. संजय शर्मा शामिल होंगे। 7 सितंबर को अपरा- 3 बजे भूगर्भशास्त्र विभाग के वाडिया हाल में शैक्षणिक वृत्त चित्र का प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, डा. एपीजे अब्दुल कलाम, डा. हरिसिंह गौर और डा. डब्ल्यूडीवेस्ट पर आधारित वृत्त चित्रों, लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। आठ सितंबर को अपरा- 3 बजे से पुस्तक वाचन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

मप्र की जनजातियों के विकास हेतु संयुक्त रूप से कार्य करने हेतु एमओयू करने पर सहमति बनी

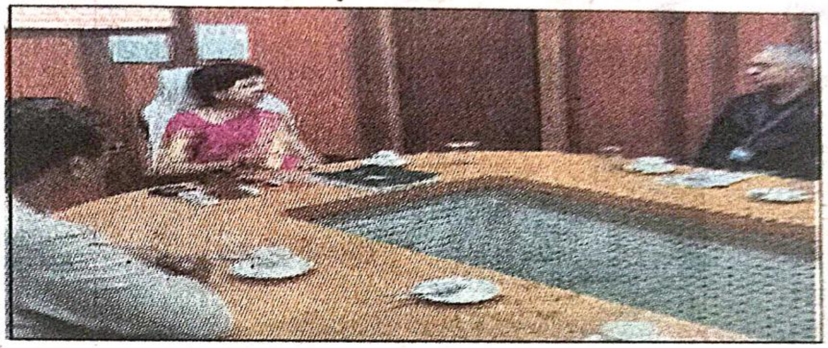

सागर, देशबन्धु। डॉ.हरीसिंह गौर विवि की कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता एवं डॉ.अपरूप दास, संचालक आईसीएमआर, एनआईआर टीएच जबलपुर के मध्य अनुसूचित जनजाति के स्वास्थ्य एवं बीमारीयों के निदान पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान दोनों अध्यक्षयों ने जनजाति हित में संयुक्त शोध परियोजना पर चर्चा की तथा इसके क्रियान्वयन हेतु दोनों केन्द्रीय संस्थानों द्वारा मप्र की जनजातियों के विकास हेतु आगामी समय में संयुक्त रूप से कार्य करने हेतु एमओयू करने पर सहमति व्यक्त की गई। इस चर्चा के दौरान विशेष रूप से जनजातियाँ मातृ शिशु के स्वास्थ्य पर विशेष जोर दिया गया तथा आगामी सागर जिले के जनजाति बहुल ग्राम/क्षेत्र को शोध परियाजना हेतु गोद लेने पर भी दोनों संस्थानों द्वारा संयुक्त रूप से सहमति व्यक्त की गई। साथ ही भविष्य में इस परियोजना को देश स्तर पर लागू किया जाएगा एवं शोध कार्य किए जाएंगे इस चर्चा में आईसीएनआर, एनआईआरटीएच जबलपुर से वैज्ञानिक डॉ.साहा, डॉ.सिंह, डॉ.निशात एवं डॉ.रवीन्द्र तथा डॉ.हरीसिंह गौर विवि से प्रो.देवाशीष बोस, डॉ.अभिलाषा दुर्गवंशी एवं डॉ.केशव टेकान उपस्थित थे।

आयोजन **स्वर्ण जयंती सभागार में हुए कार्यक्रम में सेवानिवृत शिक्षकों से अपने ज्ञान और अनुभवों को साझा किया**

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की राष्ट्र के विकास में महती भूमिका

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में सोमवार को स्वर्ण जयंती सभागार में शिक्षक दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ता इग्नू, नई दिल्ली की उपकुलपति प्रो. सुमित्रा कुकरेती एवं विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त अधिष्ठाता प्रो. डीपी गुप्ता की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि शिक्षण एक ऐसा व्यवसाय है जिसमें एक बार जुड़ जाने पर वह आजीवन इससे जुड़ा रहता है।

एक शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता है। सेवा से अलग होने पर भी उनके ज्ञान एवं अनुभव का लाभ बहुत महत्वपूर्ण हैं जो हमें भविष्य की दिशा दिखाती हैं। उन्होंने विवि के सभी सेवानिवृत शिक्षकों से अपने ज्ञान और अनुभवों को साझा करने का आवाकिया। हमें स्वयं को पहचानना होगा और एक समग्र अप्रोच के साथ आगे बढ़ना होगा तभी हम विद्यार्थियों के भी समग्र व्यक्तित्व का विकास कर पाने में सक्षम होंगे। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से ही देश के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों का सम्मान करती हुई कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता। ● नवदुनिया

समतामूलक शिक्षा व्यवस्था समय की सबसे बड़ी आवश्यकता : विशिष्ट वक्ता प्रो. सुमित्रा कुकरेती ने कहा कि गुरु की महिमा के बारे में हम बचपन से सुनते आए हैं। व्यक्ति के जीवन में शिक्षक की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका होती है. शिक्षा एक त्रिध्रुवीय व्यवस्था है जिसमें विद्यार्थी, पाठ्यचर्या और शिक्षक तीन महत्त्वपूर्ण स्तंभ होते हैं। समाज की जरूरत, विद्यार्थी की क्षमता और आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए पाठ्यचर्या का निर्माण करना शिक्षक की जिम्मेदारी है। विशिष्ट वक्ता प्रो. डीपी गुप्ता ने कहा कि हम देश को अच्छे मुकाम पर देखना चाहते है। शिक्षा का उपयोग कर देश का विकास करने का प्रयास शिक्षा नीति द्वारा करने का प्रयत्न पहली बार हुआ है। उन्होंने विभिन्न आंकड़ों के जरिए बताया कि 60 से 90 प्रतिशत तक संस्थानों की शिक्षा व्यवस्था औसत से भी कम है। देश में अभी भी गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा का अभाव है जिसके विद्यार्थी बाहर जाकर पढ़ते हैं। कार्यक्रम में पिछले अकादमिक सत्र में विवि के सेवानिवृत्त शिक्षकों को मंचासीन अतिथियों ने सम्मानित किया। जिसमें प्रो. आरपी मिश्रा, प्रो. जेडी आही, प्रो. आरके त्रिवेदी, प्रो. फरीद खान, प्रो. अर्चना पांडेय, प्रो. एपी दुबे को शाल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन डा आशुतोष एवं डा. वंदना राजौरिया ने किया। आभार ज्ञापन शिक्षा विभाग के अधिष्ठाता प्रो. जीएस गिरी ने किया। समारोह में विश्वविद्यालय शिक्षक प्रो. एडी शर्मा, प्रो. नवीन कानगो, प्रो. आशीष वर्मा, प्रो. दिवाकर राजपूत, प्रो. चंदा बेन, प्रो. उमेश पाटिल, प्रो. श्वेता यादव, डा. राजेन्द्र यादव, डा. हिमांशु, डा. राकेश सोनी, डा. अवधेश, डा. आरपी सिंह, डा. वंदना विनायक सहित उपस्थित रहे।

शिक्षक पर्व • पूर्व शिक्षक विवि से जुड़े रहें और अपने कौशल, ज्ञान का लाभ प्रदान करें

छात्र और शिक्षक दोनों के लिए कारगर है 36 साल बाद बदली एनईपीः प्रो. नीलिमा

भास्कर संवाददाता | सागर

करीब 36 साल बाद बदली गई एनईपी यानी नेशनल एजूकेशन पॉलिसी छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए बहुत कारगर है। इसके क्रियान्वयन को लेकर सागर विवि तेजी से कार्य कर रहा है। यह बात डॉ. हरीसिंह गौर विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कही। वे शिक्षक दिवस पर स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित शिक्षक पर्व कार्यक्रम में बोल रहीं थी। इस मौके पर विवि के सेवानिवृत शिक्षकों का सम्मान किया गया। अध्यक्षता कर रहीं कुलपति गुप्ता ने कहा कि शिक्षक कभी सेवानिवृत नहीं होता। विवि के सेवानिवृत हो चुके शिक्षकों के ज्ञान और अनुभव का लाभ संस्था और छात्रों को मिलता रहे। यह हम सभी की कोशिश होना चाहिए। विशेष अतिथि इग्नू नई दिल्ली की उपकुलपति प्रो सुमित्रा कुकरेती ने कहा कि समाज की जरूरत, विद्यार्थी की क्षमता और आवश्यकता के अनुरूप पाठयचर्या का निर्माण करना शिक्षक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सूचना और प्रौद्योगिकी के इस युग में शिक्षकों के समक्ष नई चुनौतियां हैं।

कुकरेती ने कहा कि नई शिक्षा नीति पर जितनी तेजी से क्रियान्वयन होगा, उतना शिक्षा जगत का लाभ होगा। विशेष अतिथि प्रो डीपी गुप्ता ने कहा कि सागर विवि स्टेट से नेशनल हुआ, अब इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अभी भी जीडीपी की तुलना में शिक्षा बजट बहुत कम है। गुप्ता ने नई शिक्षा नीति की सराहना करते हुए कहा कि कौशल विकास पर जोर देना अच्छी पहल है। आमतौर पर सेवानिवृत शिक्षक डिपार्टमेंट आना छोड़ देते हैं या उन्हें मौजूदा स्टाफ आमंत्रित करना बंद कर देता है, ऐसा नहीं होना चाहिए। फैकल्टी अफेयर्स के निदेशक और कार्यक्रम के संयोजक प्रो. पीके कठल ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने शिक्षा पर्व की रूपरेखा बताई।

सेवानिवृत हुए शिक्षकों का शाल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया : कुलपति गुप्ता एवं अतिथियों ने पिछले साल सेवानिवृत हुए शिक्षकों, प्रोफेसर आरपी मिश्रा, प्रो. जनकदुलारी आही, प्रो. आरके त्रिवेदी, प्रो. एपी दुबे, प्रो. अर्चना पांडेय, प्रो. फरीद खान का स्मृति चिन्ह, शाल, श्रीफल भेंट कर सम्मान किया।

कुलपति ने पूर्व शिक्षकों का उनकी सीट पर पहुंचकर सम्मान किया : विवि के पूर्व शिक्षकों प्रो विनोद दीक्षित, प्रो. रमेश गौतम, प्रो. जेएल जैन, प्रो. जेके जैन, प्रो. बनर्जी, प्रो. यशवंत ठाकुर सहित उपस्थित पूर्व शिक्षकों को मंच से नीचे उतरकर उनकी सीट जाकर पुष्पहार से सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन डा. आशुतोष एवं डा. वंदना राजौरिया ने संयुक्त रूप से किया। आभार शिक्षा विभाग के अधिष्ठाता प्रो जीएस गिरी ने माना। इस अवसर पर प्रो. एडी शर्मा, नवीन कानूनगो, प्रो दिवाकर राजपूत, प्रो चंदा बेन, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. विवेक तिवारी, पंकज तिवारी, अलीम अहमद खान, डॉ. आरपी सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

विवि में ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबीनार

शिक्षा से वैश्विक नेतृत्व प्रदान करना प्राथमिकता : कुलपति

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग के सभागार में मंगलवार को ऑन लाइन राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। इसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न पक्षों पर बात की गई।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने वर्तमान समय में उच्च शिक्षा के समक्ष उभरती हुई चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि शिक्षा के माध्यम से संवेदनशील एवं वैश्विक नेतृत्व प्रदान करना प्राथमिकता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए आवश्यक है कि पाठ्यक्रम भी गुणवत्तापरक हों। मुख्य वक्ता के रूप में संघ लोक सेवा आयोग नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डीपी अग्रवाल ने शिक्षा नीति के पाठ्यचर्या के विभिन्न पहलू विषय पर विस्तार पूर्वक अपनी बात कही। हैदराबाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीजे राव ने कहा कि शिक्षा का अर्थ अब बदल रहा है। अब यह सिर्फ कक्षा के ज्ञान तक सीमित नहीं है अपितु अनुभवजन्य एवं वास्तविक जीवन सम्बन्धी ज्ञान को परिभाषित कर रही है।

इस ऑनलाइन संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन प्रो. सुशील कसाव और डॉ. केबी जोशी ने किया।

सागर पत्रिका फेसबुक पेज
जुड़ें, पढ़ें और आगे बढ़ें
हर पल की खबर
facebook.com/Sagarpatrika
visit, like and share

समाधि पर अर्पित की पुष्पांजलि

सागर. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में शनिवार को सुबह 11 बजे से लेकर दोपहर 1 बजे के बीच आजादी से अन्त्योदय तक अभियान और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । शुरुआत आजादी से अन्त्योदय तक अभियान के अंतर्गत डॉ. हरीसिंह गौर एवं पंडित रविशंकर शुक्ल की समाधि पर पुष्पांजलि के साथ हुई, जिसमें कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम के संयोजक डॉ. ललित मोहन और विश्वविद्यालय के प्रमुख शिक्षकगण, अधिकारीगण, विद्यार्थीगण मौजूद थे।

दिल दिया है जान भी देंगे ऐ वतन तेरे लिए, मां तुझे सलाम जैसे गीतों ने भर दिया जोश

आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर सांस्कृतिक संध्या हुई आयोजित

जागरण, सागर

आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर हर घर तिरंगा घर घर तिरंगा अभियान के तहत जिला प्रशासन नगर निगम एवं डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा की संयुक्त तत्वाधान में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में हुआ। जिला प्रशासन एवं विवि के संयुक्त तत्तवावधान में आयोजित सांस्कृतिक संध्या के पूर्व सागर सांसद राजबहादुर सिंह, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, विधायक शैलेन्द्र जैन, महापौर संगीता तिवारी, जिला कलेक्टर दीपक आर्य एवं शहर के समाज सेवियों एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों ने डॉ. हरीसिंह गौर एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पं रविशंकर शुक्ल की समाधि पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर विवि के कुलसचिव संतोष सोहगौरा, सुरक्षा अधिकारी डॉ हिमांशु कुमार एवं विवि प्रशाशन के कई अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

देशभक्ति गीतों, आर्केस्ट्रा और नृत्य ने समां बांधा

स्वागत गीत की प्रस्तुति युवा कलाकारों ने दी। दिल दिया है जान भी देंगे ऐ वतन तेरे लिए, मां तुझे सलाम,अब के बरस तुझे धरती की रानी कर देंग,संदेशे आते हैं, हमें तड़पाते हैं, मैं रहूं या न रहूँ भारत ये रहना चाहिए, देश भक्ति गीत की प्रस्तुति देकर कलाकारों ने श्रोताओं को जोश से भर दिया। साक्षी पटेरिया अपूर्वा भदौरिया एवं अन्य साथी कलाकारों ने एकल गायन की प्रस्तुति दी। आस्था बानो, खुशी, नैंसी और साथी कलाकारों के समूह लोक नृत्य नृत्य ने दर्शकों का मन मोह लिया। यश गोपाल, पार्थ घोष एवं साथी कलाकारों ने भारत हमारा एक है कव्वाली की शानदार प्रस्तुति दी। सागर नगर निगम एवं जिला प्रशासन की तरफ से आमंत्रित कलाकारों ने कई सुरमयी प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के दौरान दर्शकों की उपस्थिति बनी रही। कार्यक्रम में स्कूली विद्यार्थी, शहर के विभिन्न संस्थाओं एवं विवि के अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी, प्रबुद्ध नागरिक मौजूद रहे।

भारत की सदी आहत रही

कार्यक्रम में सांसद राजबहादुर सिंह ने कहा कि भारत का विभाजन पश्चिमी सभ्यता के द्वारा किया गया एक अमानवीय और हिंसक षड्यंत्र था,जिससे भारत की पूरी एक सदी आहत रही है। विभाजन की विभीषिका के संदर्भ में ऐतिहासिक दस्तावेजों और साक्ष्यों पर आधारित एक छायाचित्र प्रदर्शनी डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में 14 से 17 अगस्त तक जन सामान्य के लिए लगाई गई है। विभाजन के समय अपना सब कुछ लाहौर में छोड़कर आये सरदार सुरेन्द्र सिंह ने आंसुओं के साथ यह बताया कि इस प्रदर्शनी ने आज उस इतिहास की यादों और भूलों को एक बार मेरे सामने ला दिया। इस प्रदर्शनी के समन्वयक प्रो. नागेश दुबे एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के डॉ.संजय शर्मा ने बताया कि विद्यार्थीयों के लिए इस तरह के आयोजन उन्हें इतिहास को करीब से समझने में सहायता करते हैं। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के विद्यार्थियों के द्वारा इन सभी अतिथियों का स्वागत किया गया।

हर घर तिरंगा के तहत भाषण प्रतियोगिता आयोजित

डॉ हरीसिंह गौर विवि के स्वाधीनता सप्ताह के आयोजन में राष्ट्रीय झण्डा संहिता का महत्त्व विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विवि के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने भाग लिया और विषय के विभिन्न पक्षों पर भाषण की प्रस्तुति दी। यह आयोजन विवि की एनसीसी इकाई के संयोजन में किया गया।

जवानों ने उत्साह और जोश पूर्ण करतब दिखाए

विवि के गौर प्रांगण में भारतीय सेना के जवानों ने अन आर्म्ड स्किल का प्रदर्शन किया। उन्होंने दुश्मनों से निपटने के लिए ऐसे कई तकनीकों और कौशल को दिखाया जिसे भारतीय सेना के जवान प्रयोग करते हैं। उत्साह और जोश पूर्ण करतब को देखकर दर्शकों ने जवानों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर हर घर तिरंगा के समन्वयक डॉ. ललित मोहन, कुलसचिव संतोष सोहगौरा, एनसीसी के विवि कोऑर्डिनेटर डॉ. गौतम प्रसाद, डॉ उषा राणा, एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुनीत वालिया, डॉ. वंदना विनायक एनएससी कैडेट्स एवं एनएसएस स्वयंसेवक मौजूद रहे। इस अवसर पर भाजपा जिला भाजपा अध्यक्ष गौरव सिरोठिया, नगर निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार, कलेक्टर दीपक आर्य नगर निगम कमिश्नर चंद्रशेखर शुक्ला, स्मार्ट सिटी के सीईओ राहुल सिंह राजपूत सहित समस्त वार्ड पार्षद अधिकारी कर्मचारी छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

विश्वविद्यालय • स्वर्ण जयंती सभागार में विभाजन विभीषिका चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ

ऐतिहासिक घटनाओं की निष्पक्ष व्याख्या के लिए साक्ष्य आधारित कार्यक्रम महत्वपूर्ण होते हैं : कुलपति

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर विभाजन विभीषिका चित्र प्रदर्शनी लगाई गई। उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि देश के विभाजन की विभीषिका को इतिहास से विस्मृत नहीं किया जा सकता। ऐतिहासिक घटनाओं की निष्पक्ष व्याख्या के लिए इस तरह के साक्ष्य आधारित कार्यक्रम महत्वपूर्ण होते हैं। इस तरह की प्रदर्शनी से जनसमुदाय में इतिहास की वैज्ञानिक समझ विकसित होती है। प्रदर्शनी के समन्वयक प्रो. नागेश दुबे एवं डॉ. संजय शर्मा ने बताया प्रदर्शनी 17 अगस्त तक सभी नागरिकों के लिए खुली रहेगी। जहां वे भारत विभाजन की विभीषिका के दृश्यों का अवलोकन कर सकते हैं। इस मौके पर प्रो. डीके गुप्ता, प्रो. एडी शर्मा, प्रो. जीएल पुणताबेंकर, डॉ. राकेश सोनी, कुलसचिव संतोष सौहगोरा आदि मौजूद थे। वहीं, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार तथा आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के परिपालन में स्वाधीनता सप्ताह कार्यक्रम के तहत डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के गौर परिसर में आजादी से अन्त्योदय तक अभियान और पोस्टर प्रतियोगिता हुई। डॉ. हरीसिंह गौर एवं पंडित रविशंकर शुक्ल की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, हर घर तिरंगा कार्यक्रम के संयोजक डॉ. ललित मोहन आदि मौजूद थे।

सागर। स्वर्ण जयंती सभागार में विभाजन विभीषिका चित्र प्रदर्शनी लगी।

पोस्टर प्रतियोगता में विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। पोस्टर प्रतियोगता का विषय- स्वतंत्रता संग्राम सेनानीः पंडित रविशंकर शुक्ल था। पंडित रविशंकर शुक्ल एक वरिष्ठ कांग्रेसी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, सेंटर प्रोविन्स व बरार और 1 नवंबर 1956 को अस्तित्व में आए नए राज्य मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री थे। उनका जन्म स्थान सागर जिला था। संचालन विधा प्रभारी डॉ. चंद्रकांता जैन, डॉ. सुप्रभा दास, डॉ. आफरीन खान ने किया।

विविः हर घर तिरंगा के तहत रंगोली प्रतियोगिता आयोजित हुई

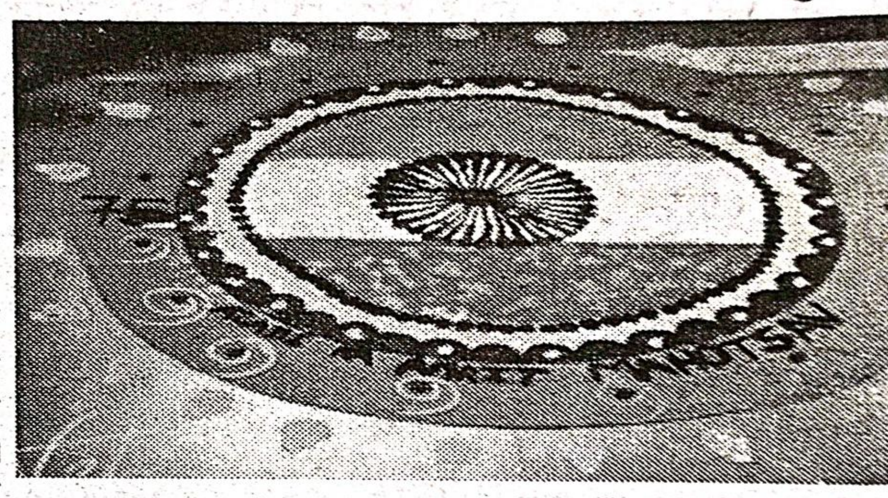

सागर। शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली तथा आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के परिपालन में स्वधीनता सप्ताह कार्यक्रम के अंतर्गत डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय , सागर (म प्र) के शिक्षाशास्त्र विभाग में रंगोली प्रतियोगता का आयोजन स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विषय पर किया गया । कई विद्यार्थियों ने विषय से संबंधित थीम पर रंगोली बनाकर अपनी कला का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन विधा प्रभारी डॉ चंद्रकांता जैन , विभागाध्यक्ष शिक्षाशास्त्र विभाग , डॉ . सुप्रभा दास , ललित कला एवं प्रदर्शनकला विभाग एवं डॉ . आफरीन खान , राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन विभाग के द्वारा किया गया ।कार्यक्रम में विभिन्न विभाग के छात्र छात्राओं ने भागीदारी की । कार्यक्रम में डॉ . धर्मेन्द सर्राफ , डॉ . बुद्ध सिंह , डॉ . अभिषेक प्रजापति , डॉ . शकीला खान , डॉ अनूपी समैया , डॉ रमाकान्त कंचन चौरसिया, डॉ . शैलेश चौबे उपस्थित रहे। दिनांक 13 अगस्त को स्वन्त्रता संग्राम सेनानी- पंडित रविशंकर शुक्ल विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। आजादी से अंत्योदय तक कार्यक्रम में गौर समाधि प्रांगण में डॉ गौर एवं स्व श्री शुक्ल की समाधि पर पुष्पांजलि कार्यक्रम भी आयोजित किया गया है। अपराह्न 03 बजे से संगीत विभाग में एकल गायन प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी।

नशा मुक्त भारत अभियान में विद्यार्थियों ने ली शपथ

सागर। डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के नशा मुक्त भारत अभियान के तहत सांस्कृतिक परिषद एवं एन एस एस इकाई के संयुक्त तत्त्वावधान में नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। समन्वयक डॉ राकेश सोनी एवं एन एसएस समन्वयक डॉ संजय शर्मा ने विद्यार्थियों को शपथ दिलाई जिसमें स्वयं के साथ अपने आस पास के समाज को नशा मुक्त रखने का संकल्प लिया गया। इस अभियान के तहत कैबीनेट मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार के नेतृत्त्व में दिनांक 12 अगस्त को देश भर के 993 विश्वविद्यालयों, 39941 महाविद्यालयों एवं 22560 हाईस्कूल में नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई।

मंकी पॉक्स का जागरूकता से ही बचाव संभव : प्रो नीलिमा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. हरीसिंह गौर विवि के स्वच्छता एवं स्वास्थ्य विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित हो रहे मंकी पॉक्स वायरस पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि मंकी पॉक्स हमारे समक्ष एक गंभीर चुनौती है। जैसे हमने कोविड के विरुद्ध एक समवेत प्रयास कर उसे नियंत्रित किया ठीक उसी प्रकार से एक बार फिर संगठित ढंग से जागरूकता के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। इस तरह के वायरसजनित रोगों से सावधानी एवं सतर्कता से ही बेहतर बचाव किया जा सकता है। मुख्य वक्ता बीएमसी की एसोसियट प्रो. डॉ. श्रद्धा मिश्रा ने कहा कि लोगों की सामूहिक जिम्मेदारी है कि इस रोग के लिए जिम्मेदार कारकों को समझते हुए सतर्क रहें। वक्ता डॉ. अभिषेक जैन ने कहा कि मंकी पॉक्स से भयभीत होने की जगह इसके प्रति सचेत होने की आवश्यकता है। मंकी पॉक्स को वैश्विक स्तर पर एक बड़ी समस्या के रूप में संयुक्त राष्ट्र संघ के द्वारा चिन्हित किया गया है।

भारत को हिन्दी में संचालित होना चाहिए: प्रो. एडी शर्मा

सागर @ पत्रिका. भारत जिस भाषा में संचालित हो रहा है वह हिन्दी नहीं अंग्रेजी है। यदि हिन्दी को राष्ट्र भाषा बनाना है तो भारत को हिन्दी भाषा में संचालित होना चाहिए। यह बात 'हिन्दी दिवस' के अवसर पर आचार्य नंददुलारे वाजपेयी सभागार हिन्दी विभाग में आयोजित विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ के आयोजन में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. एडी शर्मा ने कही। उन्होंने मौजूदा समय में उपस्थित हिन्दी भाषा की चुनौतियां विषय पर हिन्दी भाषा की वर्तमान स्थिति को रेखांकित किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने संदेश का वाचन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. चंदा बैन ने की। उन्होंने स्वाधीनता आन्दोलन में हिन्दी भाषा के योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि भारत की आजादी के आन्दोलन में धर्म, राजनीति, समाज का नेतृत्व करने वाले नायकों ने हिन्दी को महत्व दिया। उन्होंने भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी को रेखांकित किया।

स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति नायकों के योगदान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

जनजाति इतिहास और योगदान को विश्वविद्यालय संरक्षित करेगाः कुलपति

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग नई दिल्ली द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति नायकों का योगदान पर स्वर्ण जयंती सभागार में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि फग्गन सिंह कुलस्ते केन्द्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री, भारत सरकार, मुख्य वक्ता नरेन्द्र सिंह मरावी,सामाजिक चिंतक एवं पूर्व अध्यक्ष मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग,मप्र, विषय विशेषज्ञ के रूप में दीपिका खन्ना, सहायक निदेशक, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग नई दिल्ली उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने की। कार्यक्रम की अकादमिक संयोजक प्रो.चन्दा बेन ने स्वागत भाषण दिया, कार्यक्रम के संयोजक अर्थशास्त्र विभाग के डॉ. केशव टेकाम ने संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि फाग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत पूरे देश के विशाविद्यालयों में स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति नायकों के योगदान पर संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आजादी के इतिहास में जनजाति समाज के नायकों के योदगान पर बहुत कम चर्चा होती है। हम सभी जानते हैं कि अंग्रेजों ने भारतीय समाज के साथ काफी दुर्व्यवहार किया। जनजाति समाज के ऐसे असंख्य नायक रहे हैं, जिन्होंने बिना कोई समझौता किये हुए अंग्रेजों से लोहा लिया और देश की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया। आजादी के ऐसे अमर शहीदों को याद करना आवश्यक है जिनकों इतिहास में भुला दिया गया। हमें अपनी इतिहास को फिर से देखने की जरूरत है ताकि आने वाली पीढ़ी सही इतिहास से परिचित हो सकें। अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि स्वतन्त्रता संग्राम में जनजाति नायकों के योगदान पर केंद्रित राष्ट्रीय संगोष्ठी एक अकादमिक प्रयास है जिसके माध्यम से हम आजादी के ऐसे कई नायकों को जान पायेंगे जिनकी कम चर्चा की जाती है। विशिष्ट वक्तव्य देते हुए नरेन्द्र सिंह मरावी ने आजादी के जनजाति महानायकों की विस्तारपूर्वक चर्चा की। संगोष्ठी में स्वतंत्रता संग्राम के जनजाति नायकों पर केंद्रित चित्र प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया। बड़ी संख्या में शिक्षकों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शहर के नागरिकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और इतिहास से परिचित हुए। इस अवसर पर जनजाति नायकों पर केंद्रित निबंध प्रतियोगिता के विजित प्रतिभागियों को मंचस्थ अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शालिनी चोइथरानी ने किया, आभार कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, शोधार्थी, विद्यार्थी, कर्मचारी शहर के नागरिक, समाजसेवी संगठनों के पधाधिकारी, जिला प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय संगोष्ठी डा. हरीसिंह गौर विवि में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने किया आयोजन

भारत को विश्व गुरु जनजाति समाजों की ज्ञान संपदा ने बनाया

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति नायकों का योगदान विषय पर गुरुवार को स्वर्ण जयंती सभागार में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि फग्गन सिंह कुलस्ते, केंद्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री, भारत सरकार, मुख्य वक्ता नरेन्द्र सिंह मरावी, सामाजिक चिंतक एवं पूर्व अध्यक्ष मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग, विषय विशेषज्ञ के रूप में दीपिका खन्ना उपस्थित थे।

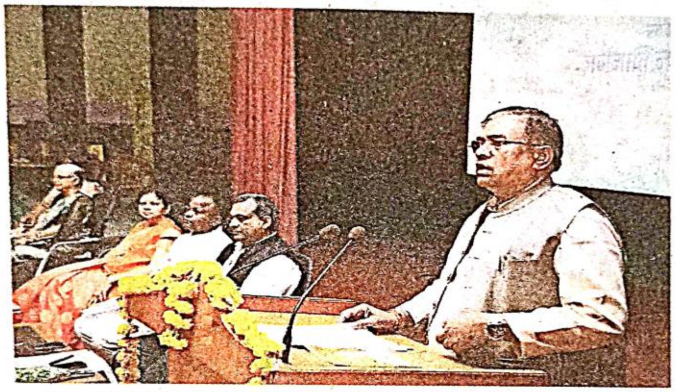

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते। • नवदुनिया

मुख्य अतिथि फागन सिंह कुलस्ते ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत पूरे देश के विशाविद्यालयों में स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति नायकों के योगदान पर संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आजादी के इतिहास में जनजाति समाज के नायकों के योगदान पर बहुत कम चर्चा होती है। हम सभी जानते हैं कि अंग्रेजों ने भारतीय समाज के साथ काफी दुर्व्यवहार किया। जनजाति समाज के ऐसे असंख्य नायक रहे हैं जिन्होंने बिना कोई समझौता किए हुए अंग्रेजों से लोहा लिया और देश की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया। आजादी के ऐसे अमर शहीदों को याद करना आवश्यक है जिनको इतिहास में भुला दिया गया। हमें अपनी इतिहास को फिर से देखने की जरूरत है ताकि आने वाली पीढ़ी सही इतिहास से परिचित हो सके। अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि हम चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से ऐसे नायकों का पुन: स्मरण कर रहे हैं। हमारा प्रयास होगा कि हम ऐसे वीर बलिदानियों की शौर्य गाथा पर शोध-अध्ययन करें। उन्होंने मध्य प्रदेश की भूमि पर जन्मे जनजाति समाज के नायकों के आजादी में योगदान पर चर्चा करते हुए कहा कि उनकी क्रान्ति की ज्वाला ने पूरे देश में आजादी के प्रति जूनून पैदा करने का काम किया। विशिष्ट वक्तव्य देते हुए नरेन्द्र सिंह मरावी ने कहा कि मध्य प्रदेश में भी जनजाति के नायकों ने देश की आजादी और भारत मां की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन्होंने कहा कि हर काल खंड में जनजाति समाज के लोगों ने अपने पारंपरिक मूल्यों की रक्षा करते हुए देश की रक्षा के लिए प्राण को न्यौछावर कर दिया। डा. दीपिका खन्ना ने कहा कि बहुत से लोगों को जनजाति समाज के अधिकारों के बारे में जानकारी नहीं है।

जनजाति नायकों पर केंद्रित निबंध प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी पुरस्कृत : संगोष्ठी में स्वतंत्रता संग्राम के जनजाति नायकों पर केंद्रित चित्र प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया। बड़ी संख्या में शिक्षकों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शहर के गणमान्य नागरिकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। राष्ट्रीय जनजाति आयोग के गठन, संरचना, कार्यो एवं शक्तियों एवं उनके कर्तव्यों पर आधारित वृत्त चित्र का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर जनजाति नायकों पर केंद्रित निबंध प्रतियोगिता के विजित प्रतिभागियों को मंचस्थ अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन डा. शालिनी चोइथरानी ने किया। आभार कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने ज्ञापित किया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी: विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति नायकों के योगदान पर हुई चर्चा

भारत को विश्वगुरु जनजाति समाजों की ज्ञान संपदा ने बनाया : कुलस्ते

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में बुधवार को स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति नायकों के योगदान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की। इसमें मुख्य अतिथि केंद्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते और मुख्य वक्ता पूर्व अध्यक्ष मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग नरेन्द्र सिंह मरावी थे।

मुख्य अतिथि फागन सिंह कुलस्ते ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत पूरे देश के विश्वविद्यालयों में स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति नायकों के योगदान पर संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि

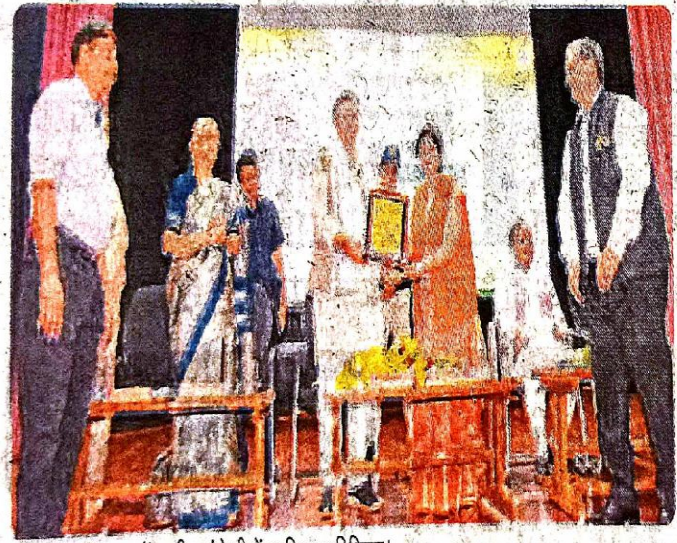

सागर। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी में उपस्थित अतिथिगण।

आजादी के इतिहास में जनजाति समाज के नायकों के योदगान पर बहुत कम चर्चा होती है। हम सभी जानते हैं कि अंग्रेजों ने भारतीय समाज के साथ काफी दुर्व्यवहार किया। जनजाति समाज के ऐसे असंख्य नायक रहे हैं, जिन्होंने बिना कोई समझौता किए हुए अंग्रेजों से लोहा लिया और देश की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया।

आजादी के प्रति जुनून पैदा करने का काम किया

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि मध्य प्रदेश की भूमि पर जन्मे जनजाति समाज के नायकों के आजादी में योगदान पर चर्चा की और कहा कि उनकी क्रान्ति की ज्वाला ने पूरे देश में आजादी के प्रति जूनून पैदा करने का काम किया। रघुनाथ सिंह, रंजन सिंह, बंजारी सिंह, बादल भाई, तिलका मांझी, बिरसा मुंडा जैसे वीर बलिदानियों की चर्चा करते हुए उनके योगदान को रेखांकित किया।

नरेन्द्र सिंह मरावी ने कहा कि मध्य प्रदेश में भी जनजाति के नायकों ने देश की आजादी और भारत माँ की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन्होंने कहा कि हर काल खंड में जनजाति समाज के लोगों ने अपने पारंपरिक मूल्यों की रक्षा करते हुए देश की रक्षा के लिए प्राण को न्यौछावर कर दिया। उन्होंने बिरसा मुंडा सहित देश के जनजाति समाज के क्रांतिकारियों के द्वारा चलाए गए आन्दोलनों की भी चर्चा की। विषय विशेषज्ञ डॉ. दीपिका खन्ना ने राष्ट्रीय जनजाति आयोग के गठन, उद्देश्य, इसकी संरचना, कार्य, शक्तियों एवं अन्य जानकारियों को साझा किया।

संगोष्ठी में स्वतंत्रता संग्राम के जनजाति नायकों पर केंद्रित चित्र प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. शालिनी चोइथरानी ने किया और आभार प्रभारी कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने माना।

प्रतिभागियों का हुआ सम्मान, कुलपति बोलीं- यह आजादी के महोत्सव का समापन नहीं, आरंभ है

देशभक्ति आधारित गीत, कव्वाली व नाटिका की हुई प्रस्तुति

भास्कर संवाददाता | सागर

सागर। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। प्रतियोगिता में अव्वल आए छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया।

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत स्वाधीनता सप्ताह का समापन विश्वविद्यालय के संगीत विभाग द्वारा देश भक्ति के गीतों के समूह गान एवं वर्ष भर के विभिन्न आयोजनों के विजेताओं को पुरस्कार वितरण के साथ स्वर्ण जयंती सभागार में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने आयोजन की सफलता का श्रेय इसमें साल भर से लगे विद्यार्थियों को दिया। संगीत, योग, ललित कला एवं अन्य विभागों के प्रतिभागियों का प्रोत्साहन करते हुए प्रो गुप्ता ने इस स्वाधीनता पर्व को निरंतर जारी रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा यह आजादी के महोत्सव का समापन नहीं, आरंभ है। संगीत विभाग के स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा समूह गीत प्रस्तुत किया गया। स्नातक द्वितीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर गायन के विद्यार्थियों ने देशभक्ति पर आधारित समूह गीतों की प्रस्तुति दी। एमए गायन एवं तबले के विद्यार्थियों की कव्वाली की प्रस्तुवि ने समां बांध दिया।

इसके बाद योग के विद्यार्थियों ने वंदे मातरम सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति दी। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत स्वाधीनता सप्ताह के नोडल अधिकारी डॉ. ललित मोहन ने सालभर के कार्यक्रमों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। आभार डॉ. राहुल स्वर्णकार ने माना। संचालन एवं समन्वय डॉ. अवधेश प्रताप सिंह तोमर ने किया। उन्होंने कुलपति के आह्वान पर इस कार्यक्रम के बाद भी देश प्रेम से जुड़े आयोजन जारी रखने की प्रतिज्ञा ली। स्वाधीनता सप्ताह के तहत विश्वविद्यालय में पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध, गीत, भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थीं। इन प्रतियोगिताओ में विजेता प्रतिभागियों को कुलपति द्वारा सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण में डॉ. शैलेश चौबे, शैलेंद्र राजपूत, अरुण रैकवार, सुरेंद्र ने सहयोग किया।

कार्यक्रम में संगीत की प्रस्तुतियां डॉ. ललित मोहन के मार्गदर्शन और डॉ. अवधेश तोमर के निर्देशन में डॉ. स्मृति त्रिपाठी, यशगोपाल श्रीवास्तव, आकाश जैन के समन्वय एवं सहयोग से तैयार की गईं। योग नृत्य नाटिका प्रो. गणेश शंकर गिरी के मार्गदर्शन, डॉ. अरुण साव एवं डॉ. नितिन कोरपाल के संयोजन में प्रज्ञा साव द्वारा तैयार कराई गई। कार्यक्रम में प्रो चंदा बेन, प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत, डॉ. आशुतोष मिश्रा, डॉ. धर्मेंद्र सराफ, डॉ. ऊषा राणा, डॉ. गौतम प्रसाद, डॉ. संजय शर्मा, डॉ. वंदना विनायक, डॉ. पंकज तिवारी, डॉ. रश्मि जैन, डॉ. सुप्रभा दास, डॉ. आफरीन खान, डॉ. राजेंद्र यादव, डॉ. रानी दुबे आदि मौजूद थीं।

केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 04 की कक्षा 9 की छात्रा सान्वी सेन ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया और प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। कुलपति ने मेडल और प्रमाण पत्र दिया।

जागरुकता से ही संभव है मंकीपॉक्स जैसे वायरस जनित रोगों से बचावः कुलपति

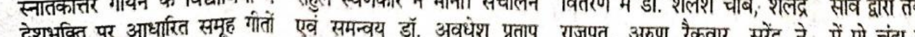

विवि में मंकीपॉक्स पर राष्ट्रीय ऑनलाइन संगोष्ठी

जागरण न्यूज, सागर

डॉ हरीसिंह गौर विवि के मानव संसाधन विकास केंद्र ने महामारी मंकीपॉक्स से नागरिकों को जागरूक करने के लिए बुधवार को ऑनलाइन मोड में एक दिवसीय मंकीपॉक्स जागरूकता वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार में देश भर से 90 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रो. गुप्ता ने मंकीपॉक्स के गंभीर परिणामों के बारे में बताया स्वयं एक प्राणी विज्ञानी होने के नाते, उन्होंने इसकी उत्पत्ति और विकास पर टिप्पणी की और इलाज से रोकथाम की आवश्यकता को रेखांकित किया। डॉ मनीष जैन कोविड केयर सागर के नोडल अधिकारी ने मंकीपॉक्स के इतिहास और लक्षणों पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने इसे एक वायरल बीमारी बताते हुए इसकी उत्पत्तिए संक्रमण के तरीके और जानवरों से इंसान और इंसान से इंसान में संचरण के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि मंकीपॉक्स एक स्व.सीमित बीमारी है। मंकीपॉक्स के दृश्य और अदृश्य लक्षणों जैसे बुखारए कमजोरी, खांसी और शरीर पर चकत्ते के प्रति उन्होंने आगाह किया। डॉ. अभिषेक कुमार जैन विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी ने सत्र का संचालन किया। सत्र के बाद प्रतिभागियों के साथ बातचीत हुई। डॉ आरटी बेद्रे निदेशक यूजीसी एचआरडीसी विश्वविद्यालय केंद्र ने कुलपति और अतिथि विद्वानों को धन्यवाद दिया। प्रतिभागियों को ऑनलाइन उपस्थिति प्रमाण पत्र दिया गया।

... कार्यकर्ता उपस्थित रहे। चिकित्सा अधिकारियों के मार्गदर्शन में रक्तदान किया गया।

वर्तमान में सबसे बडी समस्या जनसंख्या वृद्धिः डॉ. वासनिक

जलवायु अनुकूल कृषि में वर्तमान विकास विषय पर विवि में कार्यशाला

जागरण न्यूज, सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के जुलाजी विभाग ने जलवायु अनुकूल कृषि में वर्तमान विकास विषय पर तीन दिवसीय कार्याशला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. पीबी शर्मा एमिटी विश्वविद्यालय गुरूग्राम थे। अध्यक्षता डॉ. गौर विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। विशिष्ट अतिथि प्रो. एके पांडे विक्रम युनिवर्सिटी उज्जैन,प्रो. एसपी सिंह एवं डॉ. एस के वासनिक विभागीय विज्ञान एवं तकनीकी नई दिल्लीए सुधांशु यादव डीआफओ सागर रहे। कार्यक्रम की सचिव प्रो. श्वेता यादव ने जलवायु अनुकूल कृषि में वर्तमान विकास विषय पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता विभागीय विज्ञान एवं तकनीकी नई दिल्ली के डॉ. एसके वासनिक ने कहा कि तेजी से जलवायु परिवर्तन हो रहा है अभी हम कोविड जैसी माहवारी झेल चुके हैं। वर्तमान मे सबसे बडी समस्या जनसंख्या वृद्धि है। उन्होंने शोधर्थियो से संबंधित विषय पर शोध करने को कहा। उन्होंने कहा बजट संबंधित विचार ना करें, शोध कार्य को मजबूत करे। बजट की कमी नहीं होगी। विक्रम यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एके पांडे ने कहा जलवायु परिवर्तन तेजी होने वाली प्रक्रिया है वर्तमान मे अधितर देखने मिल रही। कही अधिक बारिश होती है तो कही कही सूखे की स्थिति है। एमिटी विश्वविद्यालय के कुलपति पीबी शर्मा ने कहा कि मैं मिट्टी का बेटा विदिशा से संबंधित होने पर गर्व है सर डॉ. एचएस गौर के लिए मेरे मन में बहुत सम्मान है, सन 2031 तक भारत आर्थिक रूप से सबसे अच्छा देश होगा । हमारे पास आत्मा की दो महान औषधि है अच्छी गुणवत्ता वाला पानी अच्छी गुणवत्ता वाली हवा। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा संगोष्ठी के शीर्षक में दो मुख्य बिंदु हैं जलवायु परिवर्तन कृषि जलवायु परिवर्तन के बीच हम ग्लोबल वार्मिंग देख रहे हैं । कृषि मनुष्य का प्रथम पेशा है। यह अन्य सभी उद्योगों की नींव है आइए जलवायु परिवर्तन हमें रोक नहीं सकता। हमें इसे इस बदली हुई जलवायु परिस्थितियों में मजबूत होने के अवसर के रूप में लेना होगा और अपने देश को विश्वगुरु बनाना होगा। कार्यशला में प्रो. नवीन कांगो एवं प्रो. वर्षा शर्मा ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन रोशनी जैन ने किया।

जलवायु अनुकूल कृषि में वर्तमान विकास विषय पर कार्यशाला

बदलता जलवायु परिवर्तन चिंता का विषय रिसर्च करने की आवश्यकताः डॉ. वासनिक

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के जुलाजी विभाग ने जलवायु अनुकूल कृषि में वर्तमान विकास विषय पर तीन दिवसीय कार्याशला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एमिटी विश्वविद्यालय गुरुग्राम कुलपति प्रो पीबी शर्मा रहे।

अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। मुख्य वक्ता विभागीय विज्ञान एवं तकनीकी नई दिल्ली के डॉ. एसके वासनिक ने कहा कि तेजी से जलवायु परिवर्तन हो रहा है। अभी हम कोविड जैसी माहवारी झेल चुके है। वर्तमान मे सबसे बड़ी समस्या जनसंख्या वृद्धि है। उन्होंने शोधर्थियो से संबंधित विषय पर शोध करने को कहा। उन्होंने कहा बजट संबंधित विचार न करें। शोध कार्य को मजबूत

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के जुलाजी विभागा में कार्यशाला का आयोजन।

करें। बजट की कमी नहीं होगी। एसपी सिंह ने विभिन्न योजना की जानकारी दी। विक्रम यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एके पांडे ने कहा जलवायु परिवर्तन तेजी होने वाली प्रक्रिया है, वर्तमान मे अधिकतर देखने मिल रही। क... अधिक बारिश होती है तो कही क... सूखे की स्थिति है। कार्यशाला मे प्र... नवीन कांगो और प्रो. वर्षा शर्मा ने ... अपने विचार रखे।

विश्वविद्यालय: स्थापना दिवस पर होगा मेगा एल्यूमनी सम्मलेन

देश-विदेश में कार्यरत पुराने छात्रों को जोड़ेगा विवि प्रशासन

जागरण न्यूज, सागर

किसी भी विश्वविद्यालय के लिए उसके पुरा छात्र एलुमनी एक ऐसी धरोहर होते हैं जो न केवल पीढ़ियों को जोड़ने का काम करते हैं बल्कि विश्वविद्यालय के उन्नयन में भी महती भूमिका अदा करते हैं। अपनी स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण कर चुके डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के लिए तो उसके पुरा छात्रों की एक लम्बी फेहरिस्त है जो देश और दुनिया के आर्थिक, राजनैतिक, साहित्यिक, कला और सामजिक जीवन के उन उच्च शिखरों पर पहुंचे और उन्होंने अपनी जन्म भूमी और ज्ञान साधना के तपोवन का नाम रोशन किया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विश्वविद्यालय के एलुमनी एसोसियेशन के माध्यम से अपने ऐसे सभी पुरा छात्रों के लिए आगामी स्थापना दिवस 15 जनवरी 2023 को एक मेगा एलुमनी सम्मलेन आयोजित करने की योजना बनाई है, जिसमे देश विदेश से बड़ी संख्या में पुरा छात्र शिरकत करेंगें। इस सम्बन्ध में एसोसियेशन की कार्यकारी समिति की एक बैठक आगामी माह में आहूत की जाना है,जिसमे इस मेगा सम्मलेन की सम्पूर्ण रूपरेखा तैयार की

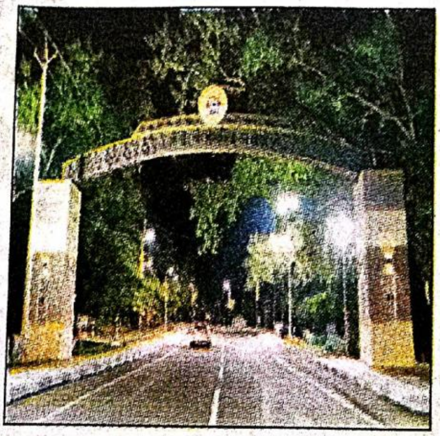

जायेगी। एसोसियेशन के नव नियुक्त सचिव प्रो.जीएल पुणताम्बेकर ने बताया कि है कोरोना काल में एसोसियेशन की प्रगति यद्यपि बाधित हुई परन्तु अब इसे गति प्रदान करने के लिए नए सिरे से पंजीयन फॉर्म बनाया गया है, जिसमे सभी पुरा छात्र ऑनलाइन माध्यम से भी पंजीयन कर पंजीयन शुल्क.जमा कर सकते हैं। विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर भी एसोसियेशन की गतिविधियों को नए सिरे से उन्नत किया जा रहा है । एसोसियेशन के चुनाव भी कराने के लिए कार्यकारी समिति की आगामी बैठक में कार्यक्रम जारी किया जाना प्रस्तावित है । एसोसियेशन के वर्त्तमान अध्यक्ष प्रो.डी के मुखारिया और विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निलिमा गुप्ता ने शहर के सभी पुरा छात्रों से यह अपील की है कि वे स्वयं एसोसियेशन से जुड़कर अधिक से अधिक संख्या में अपने बेच के पुरा छात्रों के बारे में जानकारी एसोसियेशन के साथ साझा करें। एसोसिएशन के विस्तार के लिए ग्वालियर, नागपुर, बनारस और दिल्ली में रीजनल सेंटर बनाने के लिए भी इन स्थानों पर विश्वविद्यालय के पुरा छात्रों से संपर्क कर उन्हें पंजीयन फॉर्म दिए गए हैं और इस सम्बन्ध में ग्वालियर से डॉ राजेंद्र खटीक, बनारस से प्रो. आशीष वाजपेयी, नागपुर से प्रो. मृणालिनी फडनवीस, प्रयागराज से प्रो. तनुज नंदन और नयी दिल्ली से केप्टन दुबे ने शीघ्र ही रीजनल सेंटर प्रारंभ होने की संभावना प्रदर्शित की है।

प्रो. पुणताम्बेकर ने बताया कि सभी पुरा छात्र साथ में दी गई लिंक या क्यू आर कोड पर अपने पंजीयन कर पंजीयन शुल्क भर सकते हैं। एसोसियेशन प्राप्त रजिस्ट्रेशन फॉर्म पर तत्काल प्रमाण पत्र और रसीद जारी करेगी। सभी पंजीकृत सदस्यों को एसोसियेशन की सभी गतिविधियों की जानकारी उनके पंजीकृत मेल के माध्यम से दी जायेगी। किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए प्रो. पुणताम्बेकर से उनके मोबाईल नंबर 9425425964 पर संपर्क किया जा सकता है।

उपस्थित होकर जमा करें।

आयोजन

वैचारिक स्वच्छता अभियान नो एब्यूस डे पर सेमिनार सम्पन्न

अपशब्दों का प्रयोग न करने की शपथ ली

सागर, आचरण संवाददाता।

विश्व विद्यालय परिसर में आंतरिक परिवाद समिति द्वारा "No Abuse Day" पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमे प्रोफ. दिवाकर सिंह राजपूत, प्रोफ. निवेदिता मैत्रा और वैचारिक स्वच्छता अभियान की प्रणेता डॉ. वंदना गुप्ता मुख्य वक्ता रहे, तथा विवि की कुलपति प्रोफ. नीलिमा गुप्ता मुख्य अथिति के रूप में रही। कार्यक्रम की समन्वयक एवम आंतरिक परिवाद समिति की अध्यक्षा प्रो. अस्मिता गजभिये ने कहा शारीरिक स्वच्छता के साथ ही साथ वैचारिक स्वच्छता भी जरूरी है। उन्होंने आगे कहा की आतंरिक स्वच्छता हमें शांति प्रदान करती है, विवेकानंद जी को संदर्भित करते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वैचारिक स्वच्छता भक्ति से भी बढ़कर है। इसी क्रम में कुलपति ने कहा की आपके विचार आपके व्यक्तित्व को परिलक्षित करते है। साथ ही विवि के कर्मचारियों, शिक्षकों तथा विद्यार्थियों ने अपशब्दों का प्रयोग न करने की शपथ ग्रहण की। कार्यक्रम की अगली कड़ी में प्रो. निवेदिता मैत्रा ने अपशब्दों के ऐतिहासिक सन्दर्भ प्रस्तुत करते हुए कहा, पुरुष प्रधान समाज में अपशब्दों द्वारा महिलाओ के ऊपर अपना वर्चस्व बरक़रार रखने हेतु किया जाता रहा है जो आज भी समाज़ में देखने को मिलता है।

प्रो. दिवाकर सिंह राज़पूत ने भारतीय संस्कृति को व्याख्यायित करते हुए कहा कि 'वसुधेव कुटुम्बकम' की बात कही कि जब पूरा देश ही अपना परिवार है तो अपशब्दों का प्रयोग क्यों करे। अंत में सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. वंदना गुप्ता ने कहा धार्मिक अनुष्ठानों में बाह्य आभ्यान्यर शुचि जैसे शब्दों का अर्थ भी वैचारिक स्वच्छता को अपनाने की प्रेरणा भरता है तथा वर्ष में दो बार नवरात्रि मातृ शक्ति के प्रति आराधना एवं सम्मान का परिचायक है। तब ऐसे समाज में हम माँ बहन बेटी की गलियों को कैसे बोल सकते हैं? हम सभी को इस कुरीति के प्रति संकल्पित होकर इसे समाज से उखाड़ फंकना होगा। इसके साथ ही कई घटनाकर्मों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि इस कुरीति का उन्मूलन केवल और केवल जनजागृति से ही संभव है। अतः 17 सितम्बर प्रत्येक वर्ष इस कुरीति के उन्मूलन के संकल्प का दिवस है। अतः समाज में स्वच्छता के प्रति जनजागृति की अलख जगाने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिन को ही वैचारिक स्वच्छता अभियान नो एब्यूस डे के संकल्प दिवस के रूप में घोषित किया गया। इस कार्यक्रम में आंतरिक परिवाद समिति के अन्य सदस्य डॉ. किरण महेश्वरी, डॉ. वंदना विनायक, डॉ. सर्वेन्द्र यादव, ब्रिज भूषण सिंह, दिनेश तोमर मौजूद रहे।साथ ही वो क्लब सदस्य डॉ नम्रता फुसकेले, संध्या सरवटे, जागृति केसरवानी, सीमा केसरवानी, नंदिनी चौधरी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वंदना विनायक द्वारा किया गया तथा डॉ. किरण महेश्वरी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

विवि विधि विभाग के छात्र प्रताप राज तिवारी भारतीय छात्र संसद में प्रथम

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के विधि विभाग के छात्र प्रताप राज तिवारी ने केंद्रीय युवा मंत्रालय एवं एम.आई.टी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी द्वारा 15 से 17 सितंबर तक आयोजित 12वीं भारतीय छात्र संसद में मध्य प्रदेश का राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया. तीन स्तरों पर चयनित होने के बाद विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक परिषद् द्वारा पुणे में आयोजित भारतीय छात्र संसद में प्रतिनिधित्व करने के लिए भेजा गया था. सांस्कृतिक परिषद् के समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने बताया कि प्रताप राज तिवारी पूर्व में भी विश्वविद्यालय, जिला एवं राज्य स्तर पर आयोजित कई प्रतियोगिताओं में भाग लिया है और पुरस्कृत हुए हैं. विश्वविद्यालय की ओर से छात्र प्रतिनिधि समूह भेजा गया था. उनकी इस सफलता से विश्वविद्यालय परिवार हर्षित है. छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा ने प्रताप राज को बधाई दी। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने छात्र प्रताप राज को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस सफलता से डॉ. सर हरीसिंह गौर के इस विश्वविद्यालय के साथ ही शहर एवं प्रदेश का नाम रोशन हुआ है. विद्यार्थियों की प्रतिभाओं को अवसर देने में विश्वविद्यालय पूर्ण सहयोग के लिए तत्पर है. सफल होने वाले विद्यार्थियों से अन्य विद्यार्थी भी प्रेरित होंगे। पुणे में आयोजित भारतीय छात्र संसद में क़ानून और न्याय राज्य मंत्री श्री एस पी सिंह बघेल, इसरो के पूर्व चेयरमैन कैलाशवांदेवो सिवान, सीबीआइ के पूर्व निदेशक डी आर कार्थिकेयन, लल्लनटॉप के सम्पादक सौरभ द्विवेदी, प्रसिद्ध गायक शंकर महादेवन, उत्तर प्रदेश विधानसभा के स्पीकर सतीश महाना सहित कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

18 विद्यार्थी यूपीएससी की परीक्षा में पास

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के एप्लाइड जियोलॉजी विभाग के 18 विद्यार्थियों ने यूपीएससी जियोलॉजिस्ट ग्रेड -1 एग्जामिनेशन की लिखित परीक्षा पास की है। ये सभी विद्यार्थी अब अगले माह होने वाले साक्षात्कार में शामिल होंगे। इसमें चुने जाने वाले विद्यार्थी जियोलॉजिस्ट बन जाएंगे। हर साल विभाग के विद्यार्थी इस परीक्षा में सफल होते रहे हैं। विद्यार्थियों की उपलब्धि पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने इसे शिक्षकों की मेहनत एवं छात्रों की लगन बताते हुए सभी से इंटरव्यू की तैयारियों में जुटने को कहा है। एप्लाइड जियोलॉजी विभाग से हर साल बड़ी संख्या में विद्यार्थी यूपीएससी जियोलॉजिस्ट ग्रेड -1 एग्जामिनेशन की लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में सफल होकर भूगर्भशास्त्री बनते हैं।

डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में कुलपति की अध्यक्षता में हुई बैठक

विद्या परिषद में अनुशंसा : विवि के फार्मेसी व एमबीए को अब स्कूल का मिलेगा दर्जा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के पाठ्यक्रम को भी किया गया लागू

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय गुरुवार को विद्या परिषद की बैठक में एमबीए और फार्मेसी विभाग को स्कूल का दर्जा देने की अनुशंसा की है। अभी तक यह विभाग के रूप में संचालित होते थे, लेकिन जल्द ही इन्हें स्कूल का दर्जा मिल जाएगा।

इससे इन स्कूलों में पोस्ट बढ़ेंगी और इन्हें डेवलपमेंट के लिए अलग से बजट मिलेगा। बता दें कि विभाग के अलग से स्टाफ कम मिलता है, जबकि स्कूल का दर्जा मिलने पर कई कोर्स स्कूल के अंदर संचालित होने से पोस्ट भी काफी मंजूर हो जाती हैं। इससे इन विभागों का भी कद बढ़ेगा।

नई शिक्षा नीति का पाठ्यक्रम हुआ लागू

परिषद की बैठक में वर्ष 2020 की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सिलेबस को भी रखा गया था। इसे इस सत्र से विश्वविद्यालय ने अपने सिलेबस में शामिल करने का निर्णय लिया है। बता दें कि दो साल से इस पर काम चल रहा था और आखिरकार नई शिक्षा नीति का पाठ्यक्रम लागू हो गया है।

चार नए पाठ्यक्रमों को भी मिली मंजूरी

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई परिषद की बैठक में बिजनेस मैनेजमेंट के दो पाठ्यक्रमों को भी स्वीकृत दी गई है। जानकारी के अनुसार इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट में दो-दो नए पाठ्यक्रमों को मंजूरी मिली थी, इन्हें अनुमोदन के लिए परिषद में रखा गया था।

छोड़।

राज्यमंत्री को दी कक्षाओं व हास्टल के संबंध में जानकारी

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के डा. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र के संबंध में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने गुरुवार को राज्य मंत्री सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ए नारायण स्वामी के साथ आनलाइन चर्चा की।

बैठक में इस केंद्र की गतिविधियां तथा कक्षाओं के प्रारंभ होने के संबंध में जानकारी दी। यह केन्द्र अनुसूचित जाति के छात्र-छात्राओं को यूपीएससी के लिए निशुल्क कोचिंग उपलब्ध कराने का प्रयास करता है। इस कोचिंग के लिए 163 प्रतिभागियों ने प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होकर इस अध्ययन के लिए अपनी रूचि दिखाई है।

केंद्र में मेरिट के अनुसार 100 सीटों पर प्रवेश दिया जा रहा है जिसकी प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। मंत्रालय द्वारा दिए गए तय कार्यक्रम के अनुसार विश्वविद्यालय ने सभी पूर्व आवश्यकताएं एवम संसाधन पूरे कर लिए हैं और दिनांक 1 अक्टूबर से कक्षाएं आरंभ की जा रही हैं।

कक्षाओं के सुचारू संचालन हेतु विश्वविद्यालय में स्थित रेमेडियल केंद्र के शिक्षण कक्ष एवम संसाधनों का उपयोग भी सुनिश्चित किया गया है। इस अध्ययन के दौरान पुरुष एवं महिला हास्टल में आवास व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी। इस बैठक में डा. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र की अध्यक्ष प्रो. चंदा बैन, निदेशक संकाय मामले प्रो. पीके कठल, प्रो. कालीनाथ झा, कुलसचिव संतोष सोहगोरा, डीएसडब्ल्यू के सदस्य प्रो. राजेश कुमार गौतम, डा. अनुपमा पंडित सक्सेना, उप कुलसचिव सतीश कुमार उपस्थित रहे।

विवि में मनाया गया राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस

सागर, देशबंधु। राष्ट्रीय सेवा योजना के 53वें स्थापना दिवस के अवसर पर डॉ.हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों द्वारा एक कैम्पस मैराथन का आयोजन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। मिलेनियम पार्क में मैराथन की समाप्ति पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय एकता के लिए इस प्रकार की दौड़ आपको अपने जीवन में निरंतरता से प्रगति करते हुए लक्ष्य प्राप्ति की ओर सदैव अग्रसर बनाए रखती है। उन्होंने बताया कि लक्ष्य तक पहुंचना महत्वपूर्ण होता है। यह उतना मायने नहीं रखता कि आप प्रथम है या अंतिम हैं। यह मैराथन सौहार्द, समन्वय और एकता का प्रतीक है एवं राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में युवाओं की सहभागिता को सुनिश्चित करती है। इस अवसर पर कुलपति प्रो.गुप्ता ने महिला एवं पुरुष वर्ग में प्रथम एवं द्वितीय स्थान पर आये प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। साथ ही इस मैराथन में सहभागिता करने वाले सभी विद्यार्थियों को सुखद भविष्य के लिए शुभकामनायें दी। इस 53वें वर्षगांठ के उपलक्ष्य पर मिलेनियम पार्क में स्वयंसेवकों के द्वारा 53 वृक्षों का रोपण भी किया गया।

प्रायोगिक परीक्षा के अंतर्गत चतुर्थ सेमेस्टर के बच्चों ने दी प्रस्तुति

13 साल की विधवा सावित्री ने सही यातनाओं पर हुआ नाटक का मंचन

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ.हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के ललित कला एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग में वार्षिक प्रायोगिक परीक्षा के अंतर्गत चतुर्थ सेमेस्टर के बच्चों द्वारा नाटक इग्गप्प हेगड़े की प्रस्तुति की गई। यह नाटक कोंकड़ी भाषा के लेखक वेंकट रमन के उपन्यास का नाट्य रूपांतरण है, जिसका हिंदी अनुवाद शाहवालू व विपिन त्यागी द्वारा किया गया है। नाटक का निर्देशन डॉ. राकेश सोनी द्वारा किया गया। नाटक के माध्यम से समाज में व्याप्त बाल विवाह जैसी विषम कुरीतियों के बीच नारी की दशा का चित्रण किया गया, इसमें 13 वर्षीय सावित्री का विवाह 60 वर्षीय इग्गप्प हेगड़े नाम के एक वृद्ध व्यक्ति से कर दिया जाता है और विवाह के कुछ ही साल बाद इग्गप का देहांत हो जाता है, जिसके बाद सावित्री को जीवन भर विकट यातनाएं सहनी पड़ती है। इस नाटक में इग्गप्प हेगडे का अभिनय अश्विनी साहू ने किया। इसके अलावा वासप्प हेगड़े का प्रियांश चौरसिया, गणेश भट्ट का ऋषि यादव, कावेरी का पायल जैन, शिव भट्ट का हर्ष अहिरवार, नाडिग का नवनीत नामदेव, सावित्री का अभिनय शताक्षी चौबे ने निभाया। इस प्रायोगिक परीक्षा में आंतरिक व बाह्य परीक्षक के रूप में सहायक प्राध्यापक डॉ. राकेश सोनी एवं अल्ताफ मुलाणी उपस्थित रहे।

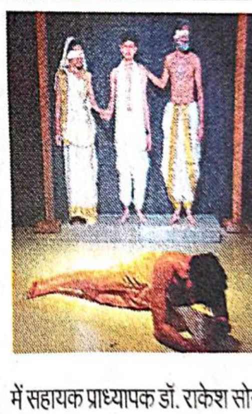

विश्वविद्यालय में विश्व सांकेतिक भाषा दिवस पर हुआ व्याख्यान

भाषा व्यक्ति के सम्पूर्ण व्यक्तित्व का परिचायक भी है: कुलपति

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस पर मानवीय एकता के लिए सांकेतिक भाषा विषय पर व्याख्यान हुआ।

सागर. अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस पर मानवीय एकता के लिए सांकेतिक भाषा विषय पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के माध्यम से डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय के सभाकक्ष में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य संयोजक प्रो. निवेदिता मैत्रा ने कहा कि भाषा संवाद का माध्यम है। हम बिना संवाद के अपने जीवन को आगे नहीं बढ़ा सकते हैं। मनुष्य के जीवन में भाषा का प्रयोग काफी होता है। मूक और बधिरों के लिए संकेत भाषा ही एकमात्र उपकरण है, जिसके माध्यम से वे संवाद करते हैं। इसके प्रति समाज में जागरूकता आवश्यक है। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि भाषाएं केवल विचारों और भावों की अभिव्यक्ति, विचारों का आदान-प्रदान यानी संवाद या सम्प्रेषण का माध्यम ही नहीं है। बल्कि यह राष्ट्रीय अस्मिता, भावात्मक नियंत्रण का आधार, सामाजिक अंतर्क्रिया और सहयोग स्थापित करने का जरिया और व्यक्ति के सम्पूर्ण व्यक्तित्व का परिचायक भी है। डॉ. प्रवीण गौतम ने श्रवण बाधित विद्यार्थियों की विभिन्न समस्याओं और उसके कारणों पर बात करते हुए उनके सीखने और सिखाने की प्रविधियों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि विशिष्ट विद्यार्थी की क्षमता सामान्य विद्यार्थी से कम नहीं होती। शिक्षक सतीश गुल्हेर ने ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने के लिए आभार माना। चंद्रहास सिंह पटेल ने कार्यक्रम आयोजन के लिए विश्वविद्यालय का धन्यवाद दिया और भविष्य में विवि से जुड़कर दिव्यांग विद्यार्थियों की दिशा में संयुक्त पहल करने की बात की। कार्यक्रम का संचालन डॉ.वंदना विनायक ने किया। आभार डॉ. आशुतोष ने माना। एनएसएस के समन्वयक डॉ. संजय शर्मा ने व्याख्यान सत्र के अतिथियों का परिचय दिया।

भाषा केवल संवाद का माध्यम ही नहीं बल्कि व्यक्ति के सम्पूर्ण व्यक्तित्व का परिचायक भी है: कुलपति

विश्वविद्यालय में विश्व सांकेतिक भाषा दिवस पर हुआ व्याख्यान

सागर ■ राज न्यूज नेटवर्क

डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस के अवसर पर मानवीय एकता के लिए सांकेतिक भाषा थीम पर विवि की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वाधान में व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने की। डाईट सागर के व्याख्याता डॉ प्रवीण गौतम, सागर स्थित मूक बधिरार्थ विद्यालय के प्रधानाचार्य सतीश गोल्हेर, शिक्षक चंद्रहास सिंह पटेल ने व्याख्यान दिया। इंदौर से आये अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा के निर्वचक सुमीत गवाड़े ने पूरे व्याख्यान को संकेत भाषा में व्याख्यायित किया जिससे मूक बधिर विद्यार्थी समझ सकें। कार्यक्रम की मुख्य संयोजक प्रो निवेदिता मैत्रा स्वागत वक्तव्य देते हुए कहा कि भाषा संवाद का माध्यम है। हम बिना संवाद के अपने जीवन को आगे नहीं बढ़ा सकते हैं। मूक और बधिरों के लिए संकेत भाषा ही एकमात्र उपकरण है जिसके माध्यम से वे संवाद करते हैं। इसके प्रति समाज में जागरूकता आवश्यक है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि भाषाएं केवल विचारों और भावों की अभिव्यक्ति, विचारों का आदान प्रदान का माध्यम ही नहीं है बल्कि यह राष्ट्रीय अस्मिता, भावात्मक नियंत्रण का आधार, सामाजिक अंतक्रिया और सहयोग स्थापित करने का जरिया तथा व्यक्ति के सम्पूर्ण व्यक्तित्व का परिचायक भी है। भाषा दुनिया के प्रति सेल्फ एप्रोच, सेल्फ पर्सपेक्टिव, सेल्फकांसेप्ट निर्मित करने, विकसित करने, उसको परिवर्तित और परिमार्जित करने की प्रक्रिया में एक चश्में का कार्य कर रही होती है। बिडंबना यह है कि भाषा विकास का यह क्रमागत और चरणबद्ध सूत्र सामान्य व्यक्तियों में हो रहे भाषा विकास की यात्रा को तो दर्शाता है लेकिन ऐसे व्यक्तियों के भाषिक विकास की चरणबद्ध प्रक्रिया को प्रस्तुत नहीं करता जो सुन और बोल नहीं पाते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आलोक में भाषा पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह नीति यह भी सिफारिश करती है कि विशिष्ट विद्यार्थियों को कैसे पढ़ाया जाए और कैसे इससे सम्बन्धित विषय सामग्री और शिक्षण विधियों को सभी शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। डॉ प्रवीण गौतम ने श्रवण बाधित विद्यार्थियों की विभिन्न समस्याओं और उसके कारणों पर बात करते हुए उनके सीखने और सिखाने की प्रविधियों पर चर्चा की। शिक्षक सतीश गुल्हेर ने मूक बधिर बच्चों की भावनाओं को सभी तक पहुंचाया और विवि से ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ वंदना विनायक ने किया। आभार डॉ आशुतोष ने ज्ञापित किया। एनएसएस के समन्वयक डॉ संजय शर्मा ने व्याख्यान सत्र के अतिथियों का परिचय दिया।

दीक्षांत समारोह और कार्यशाला के लिए कुलपति ने मुख्यमंत्री को न्यौता दिया

भास्कर संवाददाता | सागर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में 7 अक्टूबर को डा. हरीसिंह गौर विवि में आयोजित कार्यशाला एवं शोध संगोष्ठी एवं 25 नवंबर को प्रस्तावित विवि के 31वें दीक्षांत समारोह के लिए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान को मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया है। कुलपति प्रो. गुप्ता ने भोपाल में मुख्यमंत्री निवास पर चौहान से भेंट कर नई शिक्षा नीति पर संक्षिप्त चर्चा की। उन्होंने बताया कि अगले माह 5 दिवसीय कार्यशाला शिक्षा, संस्कृति व उत्थान न्यास नई दिल्ली व डा. गौर विवि के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित की जा रही है। इसका विषय चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास है। संगोष्ठी में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, विशेषज्ञ और न्यास के पदाधिकारी भाग लेंगे। मुख्यमंत्री ने कुलपति को प्रदेश के सबसे पुराने विवि में आने के लिए आश्वस्त करते हुए सहयोग का वादा किया।

'एकात्म मानववाद एक दर्शन है, वह कोई वाद नहीं'

भास्कर संवाददाता | सागर

राष्ट्रवादी विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 106 वीं जन्म जयंती के अवसर पर डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के समाजविज्ञान शिक्षण अधिगम केंद्र तथा समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग (प्रस्तावित पंडित दीनदयाल उपाध्याय पीठ) के संयुक्त तत्वाधान में केन्द्रीय पुस्तकालय सभागार में 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं हमारा समय' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया |मुख्य वक्ता पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि एकात्म मानववाद एक दर्शन है वह कोई वाद नहीं है। वाद उसके अर्थ को संकुचित कर देने वाला शब्द है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्मता को स्पष्ट करते हुए बताया कि सबमें एक ही आत्मा विद्यमान है, इसलिए किसी के साथ भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। भारतीय दर्शन के मूल यानी आत्म पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि हमें स्वयं को पहचानना होगा। इसके लिए यह आवश्यक है कि हम परिवेशीय प्रभावों के कारण अपनी आत्म-छवि को विस्मृत न होने दें। भारत के आत्म के संदर्भ में उन्होंने बताया कि भारतीय संस्कृति एक सामासिक संस्कृति न होकर एक संश्लिष्ट संस्कृति है, क्योंकि यह अन्यीकरण को रोकती है | राष्ट्रीयता के सन्दर्भ में उन्होंने बताया कि राष्ट्रीयता कोई स्व प्राप्य चीज नही है बल्कि यह एक कर्तव्य है, हमें हर क्षण अपने आचरण में इसे व्यक्त करना होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए दर्शनशास्त्री प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा ने कहा कि अंग्रेजों ने हम पर लम्बे समय तक शासन करके हमारी जिस आत्मछवि को विकृत कर दिया था उसे पुनः पहचाने जाने की आवश्यकता का बोध पंडित दीनदयाल उपाध्याय को हुआ। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमारी समावेशी प्रकृति कभी भी विस्मृत नहीं होना चाहिए. कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. कालीनाथ झा ने स्वागत भाषण देते हुए मुख्य अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रो. अशोक अहिरवार, प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत, डॉ. उषा राणा, डॉ, नीलू रावत, डॉ. विवेक जायसवाल, डॉ. संजय शर्मा आदि सहित बड़ी संख्या में विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने आभार व्यक्त किया। डॉ. आशुतोष मिश्र ने संचालन किया।

देश के लिए शैक्षणिक रोल मॉडल बनें हम : कुलपति

सागर @ पत्रिका. हम कुछ ऐसे क्लस्टर तैयार करने के लिए रूपरेखा बना सकते हैं, जो सभी के लिए रोल मॉडल बन सकें। शिक्षा, शोध एवं सामाजिक सरोकार से सम्बद्ध विभिन्न आयामों के माध्यम कुछ नवाचारों को अपनाने की जरूरत है। यह विचार मंगलवार को प्रशासनिक भवन सभा कक्ष में विश्वविद्यालय बौद्धिक विरासत प्रकोष्ठ की बैठक में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने व्यक्त किए। कार्यक्रम संयोजक के रूप में प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने पिछले दिनों हुई बैठकों की प्रगति से अवगत कराया। सभी क्लस्टर के समन्वयक डॉ. पंकज तिवारी, प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत, प्रो. संजय जैन, प्रो. निवेदिता मैत्रा, प्रो. जीएल पुन्ताम्बेकर आदि ने विचार व्यक्त किए।

पुरातत्व संग्रहालय में मनाया विश्व पर्यटन दिवस

बुंदेलखंड में पर्यटन के विकास की अपार सम्भावनाएं : प्रो. दुबे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के संग्रहालय में विश्व पर्यटन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. नागेश दुबे ने विश्व पर्यटन दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पर्यटन से मनुष्य का सर्वांगीण विकास होता है। पर्यटन का इतिहास भारत में अत्यंत पुराना है।

प्राचीन काल से ही भारत में तीर्थाटन एवं देशाटन की परम्परा रही है, जिसके माध्यम से पर्यटक देश की संस्कृति से परिचित होता था। डॉ. आरपी सिंह द्वारा कम्युनिटी कॉलेज के लिए स्वीकृत पाठ्यक्रम 'डिप्लोमा इन हिस्टारिकल टूरिज्म एण्ड टूरिज्म गाइडिंग' कोर्स पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर डॉ. राघवेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. सुरेन्द्र कुमार यादव, अतिथि शिक्षकगण डॉ. मशकूर अहमद कादरी, डॉ. शिवकुमार पारोचे, शोध सहायक डॉ. सुल्तान सलाहुद्दीन, कु. यामिनी योगी आदि उपस्थित रहे।

शिक्षा, शोध और सामाजिक सरोकार से संबद्ध विभिन्न आयामों से नवाचारों को अपनाने की जरूरत

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। हम कुछ ऐसे क्लस्टर तैयार करने के लिए रूपरेखा बना सकते हैं, जो सभी के लिए रोल माडल बन सकें। शिक्षा, शोध एवं सामाजिक सरोकार से संबद्ध विभिन्न आयामों के माध्यम से कुछ नवाचारों को अपनाने की जरूरत है। यह बात कुलपति डा. हरीसिंह गौर विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कही।

प्रशासनिक भवन सभा कक्ष में मंगलवार को विश्वविद्यालय बौद्धिक विरासतप्रकोष्ठ की बैठक हुई। ● नवदुनिया

प्रशासनिक भवन सभा कक्ष में मंगलवार को विश्वविद्यालय बौद्धिक विरासत प्रकोष्ठ की बैठक कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य समन्वयक प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने कुलपति के एक वर्ष पूर्ण होने की उपलब्धियों पर बधाईयां देते हुए पुष्प गुच्छ भेंट करते हुए उनका सम्मान किया। इस दौरान सभी क्लस्टर के समन्वयकों ने अपने विचार रखे। डा. पंकज तिवारी, प्रो दिवाकर सिंह राजपूत, प्रो. संजय जैन, प्रो. निवेदिता मैत्रा, प्रो. जीएल पुन्ताम्बेकर, प्रो. आरके रावत, प्रो. जेके जैन, डा. ललित मोहन, डा. धर्मेन्द्र सराफ, डा. सुमन पटेल, डा. अभिषेक जैन, प्रो. आशीष वर्मा आदि ने अपने विचार रखे। इस संबंध में कुलपति ने संबंधित दिशा निर्देश एवं मार्गदर्शन दिया। बैठक में प्रो. जीएस गिरि, प्रो. श्वेता यादव, प्रो. अस्मिता गजभिए, डा. नीलू रावत, डा. ऊषा राणा, डा. गौतम प्रसाद, डा. किरण माहेश्वरी, डा. सुनीति वालिया, डा. संजय बारोलिया, डा. बबलू राय, सीपी उपाध्याय, डा. किरण, डा. पूनम, डा. शालिनी, डा. देशमुख, डा. योगेश आदि उपस्थित रहे।

हिंदी हमारे चैतन्य का परिचायक : प्रो. त्रिपाठी

डा. हरीसिंह गौर विवि में हिंदी पखवाड़े पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ● नवदुनिया

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में हिन्दी पखवाड़े के तहत विश्वविद्यालय के अधिकारियों के लिए आशु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिन्दी विभाग के प्रो. आनंदप्रकाश त्रिपाठी ने की। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि मातृभाषा के माध्यम से ही सही उच्चारण होता है। इसमें लय होती है, यह मातृभाषा में ही संभव है। हिन्दी हमारे चैतन्य का परिचायक है। सह संरक्षक एवं मुख्य अतिथि कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने भी विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर हिन्दी अधिकारी डा. छबिल कुमार मेहेर ने मंच का संचालन किया। अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने आभार व्यक्त किया। प्रतियोगिता में डा. संजीव सराफ, विवेक विसारिया, दीपक शाक्य, राकेश ठाकुर, आरके पाल, डा. मुकेश साहू, डा. अनुराग श्रीवास्तव, सुनील कुमार ने भाग लिया। कार्यक्रम में डा. सुरेन्द्र गादेवार, लक्ष्मी, सुनील कुमार, विनोद रजक, धनीराम सोनी उपस्थित थे।

सप्ताह में किया जाएगा।

उपलब्धि... राज्य स्तरीय योगासन स्पर्धा में आयुषी व शिवानी को सिल्वर और पद्मा व एंजिल को कांस्य पदक

सागर | मध्यप्रदेश योगासन स्पोर्ट्र्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता के दूसरे दिन सीनियर गर्ल्स योगासन आर्टिस्टिक पेयर में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की आयुषी दीक्षित एवं शिवानी राजपूत ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। आर्मी पब्लिक स्कूल की पद्मा गोस्वामी और एंजिल डेनियल ने सब जूनियर गर्ल्स में तृतीय स्थान प्राप्त किया। आयुषी व शिवानी को सिल्वर तथा पद्मा व एंजिल को कांस्य पदक चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग एवं प्रदेश अध्यक्ष डॉ. वेदप्रकाश शर्मा ने प्रदान कर सम्मानित किया। खिलाड़ियों की सफलता पर डॉ. अरुण कुमार साव, डॉ. नितिन कोरपाल, डॉ. रविकांत खरे, डॉ. ब्रजेश सिंह, श्रद्धा नामदेव, राजपाल सिंह, एसके रूसिया, पदमा आचार्य, शैलेश आचार्य, लखन पटैल, शिखा पटेल, रचना ठाकुर आदि ने शुभकामनाएं दी।

हिन्दी बेहद सरल व व्यावहारिक भाषा है : सोहगौरा

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि के राजभाषा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में हिन्दी दिवस समारोह 2022 के हिन्दी पखवाड़े के तहत विश्वविद्यालय के अधिकारियों के लिये आशु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता के संरक्षण एवं कुलसचिव संतोष सोहगौरा के सहसंरक्षण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिन्दी विभाग के प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी ने कहा मातृभाषा के माध्यम से ही सही उच्चारण होता है तथा इसमें लय होती है, यह मातृभाषा में ही सम्भव है। हिन्दी हमारे चैतन्य का परिचायक है। सह संरक्षक एवं मुख्य अतिथि कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने कहा हिन्दी देश को जोड़ने का काम करती है तथा इसकी खुशबू पूरे देश में फैल रही है। यह बेहद सरल व व्यावहारिक भाषा है, इसमें अपने भावों की अभिव्यक्ति सहज तरीके से होती है। डॉ.छबिल कुमार मेहर ने मंच का संचालन किया। अभिषेक सक्सेना ने आभार व्यक्त किया।

रिफ्रेशर कोर्स में शामिल हुए देशभर के प्रतिभागी

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में इंटर मल्टीडिसीप्लिनरी रिफ्रेशर कोर्स इंडियन थिंकर्स एंड देयर कंट्रीब्यूशन इन सोशल हार्मनी विषय पर इतिहास विभाग द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की कोर्स कोआर्डिनेटर डा. प्रीति अनिल खंदारे एवं प्रोफेसर बीके श्रीवास्तव रहे।

कार्यक्रम के दौरान अपने विचार रखते हुए प्रतिभागी। ● नवदुनिया

कुलपति प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में 14 सितंबर को कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ था। कार्यक्रम में कुल 32 व्याख्यान आयोजित किए गए जिसमें देश के विभिन्न भागों से 48 प्रतिभागियों ने भाग लिया। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश उड़ीसा, गुजरात, दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड, गोवा, बंगाल, बिहार जैसे विभिन्न प्रांतों से आए प्रतिभागियों ने इस रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया, जिसमें पूर्व कुलपति महाराजा गंगा सिंह यूनिवर्सिटी राजस्थान प्रोफे. चंद्रकला पाडिया, डा. बीआर अंबेडकर इंस्टिट्यूट महू की पूर्व कुलपति प्रोफेसर सीडी नायक, बीएन मंडल यूनिवर्सिटी मधेपुरा बिहार की प्रति कुलपति प्रोफेसर आभा सिंह, प्रोफेसर अनिल दत्त मिश्रा, प्रोफ़ेसर बीके श्रीवास्तव, प्रोफेसर संगीतां ठोसर, प्रोफे. उमेश बगाडे, डाक्टर संजय बरौलिया आदि विद्वांनों ने भारतीय चिंतकों से संबंधित विषयों पर डाक्टर हरीसिंह गौर, महात्मा गौतम बुद्ध, डाक्टर बीआर अंबेडकर, महात्मा गांधी, पेरियार रामास्वामी राजस्थान के प्रमुख संतों, महाराष्ट्र के प्रमुख संत, भक्तिकालीन कवि चिंतक ओडिशा के चिंतक महामती प्राणनाथ राजा राममोहन राय, बीएन राय इत्यादि विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का मंगलवार को समापन प्रोफेसर बीके श्रीवास्तव की अध्यक्षता में प्रोफेसर कुमार रत्नम ओएसडी ग्वालियर रीजन मध्य प्रदेश हायर एजुकेशन डिपार्टमेंट द्वारा किया गया।

आज से शुरू हुई रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया

विश्वविद्यालय में इंजीनयरिंग पाठ्यक्रमों में मिलेगा प्रवेश

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ हरीसिंह गौर विश्विद्यालय में इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट के अंतर्गत इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के सत्र 2022-23 में प्रवेश के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन य कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। इन्स्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग के प्रभारी निदेशक प्रो. आशीष वर्मा ने बताया कि सत्र 2022-23 से इंजीनियरिंग के दो स्नातक पाठ्यक्रम इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन और कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग शुरू किए जा रहे हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम में 60-60 सीटें हैं, जिन पर दाखिले होंगे। 12 वीं कक्षा पास और जेईई परीक्षा में शामिल विद्यार्थी ही दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस संबंध में विश्वविद्यालय प्रशासन ने आधिकारिक वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन लिंक उपलब्ध करा दी है। अभ्यर्थी 11 अक्टूबर तक रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय में हुई 'एक शाम कवियों के नाम'

सबकी मुक्ति का साधन है कविता : प्रो. कांगो

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

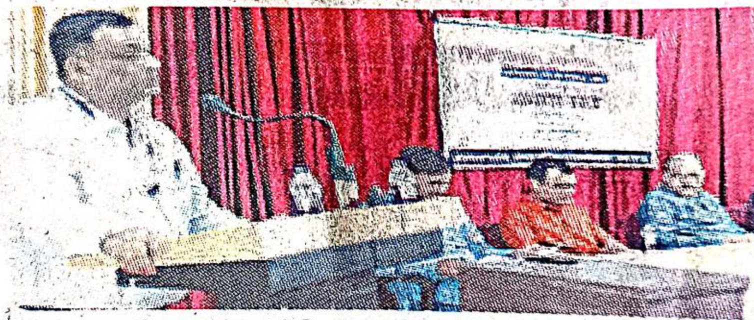

सागर. कार्यक्रम को संबोधित करते अतिथि।

सागर. साहित्य की गद्य विधाओं में कविता की उपस्थिति एक कारगर हथियार की तरह काम करती है, चाहे वह आलोचक हो, चिंतक हो या ललित निबंधकार। आधुनिक कविता एक ओर जहां छन्दों का बंधन तोडती है, तो वहीं दूसरी ओर वह स्वयं मानव की मुक्ति का साधन भी बनती है।

यह बात डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित हिन्दी पखवाडा के अंतर्गत 'एक शाम कवियों के नाम स्वरचित रचनापाठ' कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. नवीन कांगो ने कही। इस कार्यक्रम में विशिष्ट कवि के रूप में प्रो. पुणताम्बेकर, संतोष सोहगौरा, डॉ. संजीव सर्राफ, डॉ. आशुतोष, डॉ. किरण आर्य, डॉ. रामहेत गौतम, डॉ. वंदना राजौरिया, डॉ. नीरज उपाध्याय, डॉ. राजेन्द्र यादव, डॉ. रेखा सोलंकी, डॉ. अफरोज, डॉ. आफरीन आदि शामिल थे। कविताओं में निहित विविधताओं एवं मानवीय सरोकारों ने श्रोताओं को अंत तक बांधे रखा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. हिमांशु कुमार ने और आभार हिन्दी अधिकारी डॉ. छबिल कुमार ने माना।

भाषा और इसमें लिखित साहित्य को ... सोहगौरा ने बताया कि किसी भी देश का ... हम अपना

डॉ. गौर विवि के फार्मेसी विभाग में विश्व फार्मासिस्ट दिवस का हुआ आयोजन

सागर, आचरण। दुनिया भर में 25 सितंबर को हर साल फार्मासिस्ट दिवस मनाया जाता है। हर साल की तरह इस साल भी डॉ.हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के फार्मेसी विभाग में बड़े उत्साह के साथ फार्मासिस्ट दिवस आयोजित किया गया। इस साल 2022 कि थीम फार्मासिस्ट यूनाइटेड इन एक्शन फॉर हेल्थियर वर्ल्ड को ध्यान में रखते हुए विभिन्न कार्यक्रम जैसे रंगोली, भाषण, कविता, पोस्टर और नाटक जो के फार्मासिस्ट दिवस की थीम पर आधारित थे जिनका सफलता पूर्वक आयोजन किया गया। जिसमें फार्मेसी विभाग के सभी विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का संचालन प्रो.सुशील के.काशव एवं श्रीमती सपना जैन चौधरी के द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। प्रो.संजय के.जैन ने अपने उद्बोधन में सभी विद्यार्थियों को फार्मासिस्ट दिवस की महत्वता समझाई। अंत में फार्मेसी विभाग की ओर से सभी भाग लेने वाले विद्यार्थियों को विभागाध्यक्ष प्रो. वंदना सोनी व अन्य प्रोफेसरों ने पुरस्कृत किया।

हिन्दी हमारे स्वराज और सपनों की भाषा है: प्रो. नीलिमा गुप्ता

विवि में हिन्दी पखवाड़ा समापन

जागरण न्यूज, सागर

हिन्दी दिवस हिन्दी भाषा और सभ्यता के गौरव का दिवस है। एक समय था जब हमारी देश के स्वतंत्रता संग्राम की मूल प्रेरणा हिन्दी भाषा बनी। यह हमारी हिन्दी भाषा की विशेषता है कि यह जन आकांक्षा को समग्रता में अभिव्यक्त करती है। हिन्दी भाषा की सबसे बड़ी विशेषता इसकी ग्रहण क्षमता है। दूसरी भाषाओं के शब्दों को अनुकूलित कर उसे अपने शब्दकोश में सम्मिलित कर लेने की क्षमता हिन्दी भाषा को वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण बनाती है। आज हिन्दी भाषा बाजार, राजनीति, मीडिया और संस्कृति सभी क्षेत्रों में एक मुख्य भाषा के रूप में प्रयुक्त की जा रही है। इसलिए आज का यह आयोजन हमारे लिए समाप्ति नहीं एक शुरूआत है। यह बात राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित हिन्दी पखवाड़ा के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कही। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हिन्दी विभाग की अध्यक्ष प्रो. चंदा बैन ने कहा कि हिन्दी भाषा हमारी अभिव्यक्ति को सम्पूर्णता में धारण करने वाली भाषा है। हिन्दी को लेकर हमारे भीतर किसी प्रकार की हीनता का बोध नहीं है। हिन्दी भाषा और इसमें लिखित साहित्य को आज दुनिया के किसी भी भाषा और साहित्य के समकक्ष रखा जा सकता है। आज हिन्दी हमारी समस्त मानवीय गरिमा की भाषा के रूप में समाहित है।

कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने बताया कि किसी भी देश की सम्प्रभुता उसके राष्ट्रध्वज, राष्ट्रगान और राष्ट्रभाषा में अभिव्यक्ति होती है। इस अर्थ में देखे तो हिन्दी हमारी सम्प्रभुता को चाहे वह व्यक्ति के स्तर पर हो या राष्ट्र के स्तर पर हो, सही मायने में अभिव्यक्ति करती है। इस अवसर पर पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को अतिथियों ने सम्मानित किया। विजेताओं में विश्वविद्यालय द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत गोद लिए गए गांवों पथरिया जाट, पथरिया हाट, सिरोंजा, पटकुई, बरारू की प्राथमिक माध्यमिक शालाओं के विद्यार्थियों समीक्षा, दीक्षा, शनि, दिशा, पूजा, नमामि, हमजा, राधिका, महिरा, जानवी, रूबी, आशु, नैना, दिव्या, मानवी को पुरस्कृत किया गया।